शुक्रवार
01 जुलाई 2022

पृष्ठ 4

ड्रायर के इस्तेमाल ने बालों को बना दिया है रुखा और बेजान, इस तरह करें उन्हें रिपेयर

पृष्ठ 5

डॉन 3 में साथ नजर आएंगे शाहरुख और अमिताभ

● देहरादून
● वर्ष 30
● अंक 148
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

जिस तरह रंग सादगी को निखार देते हैं उसी तरह सादगी भी रंगों को निखार देती है। सहयोग सफलता का सर्वश्रेष्ठ उपाय है।

– मुक्ता

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई.- 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

समान नागरिक संहिता लागू करने वाला पहला राज्य होगा उत्तराखंडः सीएम धामी

विशेष संवाददाता

काशीपुर। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का कहना है कि उत्तराखंड देश का पहला राज्य होगा जहां समान नागरिक संहिता लागू होगी।

यह बात आज मुख्यमंत्री धामी ने रोटरी क्लब द्वारा आयोजित कार्यक्रम के दौरान कही गई। उन्होंने कहा कि जब चुनाव प्रचार के दौरान उन्होंने यह घोषणा की थी तब इसे बहुत हल्के में लिया गया था। कुछ लोगों ने इसे एक चुनावी शगुफा तक कह दिया था और उनकी मजाक बनाई गई थी। उन्होंने कहा कि भाजपा जो कहती है उसे करके भी दिखाती है। उन्होंने कहा कि सरकार बनने के बाद इस पर उन्होंने काम शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा कि समान नागरिक संहिता का ड्राफ्ट तैयार करने के लिए 5 सदस्य समिति का गठन किया जा चुका हैं। जिसने काम करना शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा कि इस कमेटी में सेवानिवृत्त न्यायाधीशों को रखा गया

❑रोटरी क्लब के काम सराहनीय
❑लड़कियों को साइकिल वितरित की

है सभी वर्ग के लोगों से इस पर उनकी राय ली जाएगी। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड समान नागरिक संहिता लागू करने वाला देश का पहला राज्य होगा।

उन्होंने कहा कि जब देश एक, संविधान एक और ध्वज एक तो समान नागरिक संहिता क्यों नहीं है। नियम कानून किसी भी मामले में सभी के लिए एक जैसे होने चाहिए। इस बाबत यह भी उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री धामी को पत्र लिखकर हाईकोर्ट के कुछ अधिवक्ताओं ने कुछ आपत्तियां की थी जिसे नकारते हुए मुख्यमंत्री अपने फैसले पर अडिग बने हुए हैं।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर रोटरी क्लब के सामाजिक कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि रोटरी क्लब जिस तरह से जनसेवा व समाज कल्याण के कामों में सहयोग करता है वह सराहनीय है।

आज रोटरी क्लब द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में भाग लेने आए मुख्यमंत्री ने छात्राओं को साइकिलें भी बांटी। उन्होंने कहा कि हमें दूसरों के लिए कुछ करके जो संतोष मिलता है वैसा संतोष किसी काम में नहीं मिलता। उन्होंने कहा कि सेवा, सहायता और समर्पण का संकल्प समाज के लिए सबसे ज्यादा जरूरी है। उन्होने कहा कि मैं रोटरी क्लब के सभी पदाधिकारी व सदस्यों को बधाई देता हूं कि वह इस भावना को लेकर काम करते रहे।

बारिश आई, आफत लाई

❑उत्तराखंड में 5 दिन भारी बारिश
❑पुल बहे, सड़कें बंद, नदी नाले उफान पर

विशेष संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड में मानसून की दस्तक के साथ भारी बारिश का दौर शुरू हो चुका है। मौसम विभाग द्वारा राज्य में भारी बारिश का अलर्ट जारी करते हुए राज्य में यात्रा पर आने वाले पर्यटकों को इस दौरान सावधानी बरतने के निर्देश दिए गए हैं वहीं शासन-प्रशासन द्वारा आपदा प्रबंधन के काम में लगी टीमों को भी सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं।

उल्लेखनीय है बीते 24 घंटे से राज्य में लगातार बारिश का क्रम जारी है जिसका असर चार धाम यात्रा पर भी पड़ा है। जगह-जगह मलबा आने से राज्य के प्रमुख मार्गो से लेकर तमाम संपर्क मार्गों के भी बंद होने से आवागमन में भारी परेशानी हो रही है। बद्रीनाथ और केदारनाथ हाईवे पर मलबा आने के साथ-साथ लोक निर्माण विभाग की तमाम सड़कें बंद हो गई हैं जिन्हें खोलने का काम जारी है। राज्य में 200 से अधिक सड़के बंद होन से आवागमन में भारी परेशानी हो रही है।

राज्य के पर्वतीय जनपद रुद्रप्रयाग उत्तरकाशी और चमोली तथा पिथौरागढ़ में भारी बारिश से बड़ा नुकसान हुआ है। पिथौरागढ़ में दो पुलों के बह जाने व मुख्य मार्गों के बंद होने से यातायात प्रभावित हुआ है। चारधाम यात्रियों को सुरक्षा के मद्देनजर जगह-जगह पड़ावों पर रोका गया है तथा उन्हें मौसम साफ होने पर आने-जाने की सलाह दी गई है। पहाड़ की सभी नदियों का जलस्तर बढ़ता जा रहा है तथा नाले और गदेरे उफान पर हैं।

मौसम विभाग द्वारा राज्य में आगामी चार-पांच दिन में भारी बारिश होने की बात कही गई है। मैदानी भागों में जलभराव के कारण भारी समस्याएं हो रही है हरिद्वार व नैनीताल में जलभराव से लोगों को आवागमन में दिक्कतें हो रही है अभी तो यह शुरुआती दौर है अगर मौसम विभाग की भविष्यवाणी सही साबित होती है तो पहाड़ की मुश्किलें और बढ़ सकती हैं।

नूपुर शर्मा को टीवी पर आकर पूरे देश से माफी मांगनी चाहिएः सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। देश की सर्वोच्च अदालत ने पैगंबर पर टिप्पणी मामले में बीजेपी से निलंबित प्रवक्ता नूपुर शर्मा को कड़ी फटकार लगाई है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि नूपुर शर्मा को टीवी पर आकर पूरे देश से माफी मांगनी चाहिए। नूपुर शर्मा की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता मनिंदर सिंह ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि उन्होंने टिप्पणी के लिए माफी मांगी टिप्पणियों को वापस ले

लिया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा– उन्हें टीवी पर जाकर देश से माफी मांगनी चाहिए थी। आपको बता दें कि निलंबित भाजपा नेता नूपुर शर्मा ने अपनी विवादास्पद टिप्पणी को लेकर कई राज्यों में उनके खिलाफ दर्ज़ सभी प्राथमिकी को जांच के लिए दिल्ली स्थानांतरित करने की मांग करते हुए सुप्रीम कोर्ट का रुख किया। शर्मा का कहना है कि उन्हें लगातार जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं। नूपुर शर्मा के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली पुलिस को ज़बरदस्त फटकार लगाई है। कोर्ट ने कहा एफआईआर के बावजूद नूपुर के खिलाफ कोई कार्रवाई क्यों नहीं हुई ? सुप्रीम कोर्ट ने नूपुर शर्मा के वकील को इस मामले में संबंधित हाईकोर्ट के पास जाने का सुझाव दिया है। जब नूपुर शर्मा की वकील सुप्रीम कोर्ट से कहती हैं कि वह जांच में शामिल हो रही हैं भाग नहीं रही हैं, तो सुप्रीम कोर्ट ने कहा– वहां आपके लिए रेड कार्पेट होना चाहिए।

देश में 24 घंटे में सामने आए कोरोना के 17 हज़ार से अधिक केस, 23 मरीजों की हुई मौत

नई दिल्ली । भारत में कोविड–१६ के १७,०७० से अधिक नए मामले सामने आने से संक्रमण के कुल मामलों की संख्या ४,३४,६६,२३४ हो गयी है। वहीं, उपचाराधीन मरीजों की संख्या बढ़कर १,०७,१८६ हो गई। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के शुक्रवार सुबह आठ बजे तक अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, २३ मरीजों के जान गंवाने से मृतकों की संख्या ५,२५,१३६ पर पहुंच गयी है। आंकड़ों के अनुसार, उपचाराधीन मरीजों की संख्या बढ़कर १,०७,१८६ पर पहुंच गयी है जो संक्रमण के कुल मामलों का ०.२५ प्रतिशत है जबकि कोविड–१६ के मरीजों के स्वस्थ होने की राष्ट्रीय दर ६८.५५ प्रतिशत है। २४ घंटों में कोरोना वायरस के उपचाराधीन मरीजों

की संख्या में २,६३४ मामलों की वृद्धि दर्ज की गयी है। गौरतलब है कि देश में सात अगस्त २०२० को संक्रमितों की संख्या २० लाख, २३ अगस्त २०२० को ३० लाख और पांच सितंबर २०२० को ४० लाख से अधिक हो गई थी। संक्रमण के कुल मामले १६ सितंबर २०२० को ५० लाख, २८ सितंबर २०२० को ६० लाख, ११ अक्टूबर २०२० को ७० लाख, २६ अक्टूबर २०२० को ८० लाख और २० नवंबर को ९० लाख और १६ दिसंबर २०२० को एक करोड़ से अधिक हो गए थे। देश में पिछले साल चार मई को संक्रमितों की संख्या दो करोड़ और २३ जून २०२१ को तीन करोड़ के पार पहुंच गई थी। इस साल २५ जनवरी को मामले चार करोड़ के पार हो गए थे। आंकड़ों के अनुसार, देशव्यापी कोविड–१६ रोधी टीकाकरण अभियान के तहत अब तक १६२।६७ करोड़ से अधिक खुराक लगाई जा चुकी हैं। गौरतलब है कि देश में सात अगस्त २०२० को कोरोना वायरस से संक्रमित मरीजों की संख्या २० लाख, २३ अगस्त २०२० को ३० लाख और पांच सितंबर २०२० को ४० लाख से अधिक हो गई थी।

दून वैली मेल

संपादकीय

अब शिवसेना का क्या होगा?

महाराष्ट्र के सियासी संग्राम में एक बार फिर भाजपा ने सभी को पटखनी देने में सफलता हासिल कर ली है। भले ही शिवसेना का शिंदे गुट इस संग्राम में मुख्यमंत्री पद पाकर और सत्ता में बने रहकर इसे अपनी बड़ी जीत के रूप में देख रहा हो और अभी भी सूबे में शिवसेना की सरकार होने का मुगालता पाले बैठा हो लेकिन यह सच है कि अब शिवसेना का अस्तित्व हिस्से-हिस्से बंटकर आधा रह गया है। भाजपा अगर चाहती तो देवेंद्र फडणवीस को ही मुख्यमंत्री बना सकती थी लेकिन उसने एन वक्त पर अपनी रणनीति बदल कर एक दूरगामी फैसला लेना ही हितकर समझा। क्योंकि उसे पता है कि अब आज नहीं तो कल सरकार तो उसकी बन ही जाएगी। अब शिवसेना के दो फाड़ होने के बाद उसे सत्ता से कोई भी दूर नहीं रख सकता है बिना उसके सहयोग के अब राज्य में कोई भी सरकार संभव नहीं है। न शिवसेना (ठाकरे) न शिवसेना (शिंदे) और न उनके अब तक के सहयोगी रहे एनसीपी और कांग्रेस। भाजपा ने मुख्यमंत्री पद छोड़कर एक बड़ा राजनीतिक दांव खेला है। इसका पहला तो यही संदेश जनता में गया है कि यह सब महाभारत जो महाराष्ट्र में हुई उसमें भाजपा की कोई भूमिका नहीं थी। अगर होती तो वह अपनी सरकार बनाती जिसके फडणवीस मुख्यमंत्री होते। उसने तो महाराष्ट्र को राजनीतिक अस्थिरता से बचाने के लिए शिंदे को समर्थन दिया था। महाराष्ट्र के सियासी संकट को जो लोग ऑपरेशन लोटस का नाम दे रहे थे वह गलत थे। भाजपा द्वारा शिंदे को सीएम की कुर्सी देकर शिवसेना की जंग को अब उस मुकाम तक ला दिया गया है जो अब कभी खत्म नहीं हो सकती है और न शिंदे और न ठाकरे के बीच कभी समझौता या एका संभव है अब दोनों को ही असली शिवसेना मेरी है, के मुद्दे पर सिर्फ लड़ते रहना है जिसका पूरा फायदा आने वाले समय में सिर्फ भाजपा को ही मिलना है। अभी वर्तमान सरकार का लंबा कार्यकाल शेष बचा है। जो भाजपा को इस बात का मौका भी दे सकता था कि शिंदे के साथ खड़ी शिवसेना के विधायकों में से कुछ कल भाजपा के पाले में खड़े दिखाई देते और शिव सैनिकों का वह गुट जो शिंदे के साथ है कहीं का भी ना रहे। क्योंकि यह राजनीति है और इसमें कुछ भी असंभव नहीं होता है। भले ही भाजपा को शिवसेना सरकार गठन के साथ पटकनी देकर ठाकरे को मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठने में सफलता हासिल कर ली सही लेकिन उसकी इतनी बड़ी कीमत उसे चुकानी पड़ेगी ठाकरे परिवार और शिवसेना ने सपने में भी नहीं सोचा होगा। देवेंद्र फडणवीस जो पहले सीएम बनते बनते रह गए थे एक बार फिर सीएम बनते बनते रह गए उन्हें भले ही भाजपा का यह फैसला नागवार लग रहा हो, लेकिन उनके पास भी पार्टी का आदेश मानने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। हो सकता है कि इन कड़वे घूटों को पीने का उन्हें भविष्य में कुछ फायदा मिले लेकिन अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि शिवसेना का अब क्या होगा? जिसकी सारी हेकड़ी शिंदे निकाल चुके हैं और जो बाकी बची है उसे भाजपा अब निकाल कर ही रहेगी यह साफ हो गया है। लेकिन अब इस स्थिति के लिए कोई और नहीं खुद शिवसेना ही जिम्मेवार है।

विकासखण्डों एवं शहरी क्षेत्रों में बहुउद्देशीय शिविर का आयोजन

देहरादून (संवाददाता)। जिलाधिकारी डॉ० आर राजेश कुमार ने अवगत कराया है कि जनपद के दूर–दराज के पात्रों को लाभान्वित करने के उद्देश्य से समाज कल्याण विभाग द्वारा जनपद देहरादून में समस्त विकासखण्डों एवं शहरी क्षेत्रों में बहुउद्देशीय शिविर का आयोजन किया जा रहा है।

जिलाधिकारी ने अवगत कराया कि विकासखण्डवार/क्षेत्रवार शिविर का आयोजन विकासखण्ड रायपुर में ४ जुलाई को जूनियर हाईस्कूल मालदेवता, ५ जुलाई को शेरा ग्राम पंचायत भवन रायपुर, ६ जुलाई को रामनगर डांडा पंचायत भवन रायपुर, विकासखण्ड विकासनगर में १३ जुलाई को प्राथमिक विद्यालय ग्राम पंचायत एटनबाग (मिनी स्टेडियम) विकासनगर, १५ जुलाई को ग्राम पंचायत जीवनगढ़ (शर्मा फार्म हाउस), विकासखण्ड चकराता में २२ जुलाई को विकासखण्ड मुख्यालय चकराता तथा ६ सितंबर को पीडब्लूडी गेस्ट हाउस क्वांसी चकराता , विकासखण्ड कालसी में २६ जुलाई को विकासखण्ड मुख्यालय कालसी तथा १२ अगस्त को सब्जी मंडी समिति कार्यालय सहिया, विकासखण्ड सहसपुर में ३ अगस्त को बहुउद्देशीय भवन सुद्धोवाला, देहरादून क्षेत्र में ८ अगस्त को सयुंक्त चिकित्सालय प्रेमनगर में, विकासखण्ड डोईवाला में १७ अगस्त को पंचायत घर भोगपुर तथा २४ अगस्त को पंचायत घर दूधली डोईवाला में बहुउद्देशीय शिविर का आयोजन किया जा रहा है। जिलाधिकारी ने संबंधित समस्त विभागों के अधिकारियों को अपने–अपने विभाग से संबंधित अभिलेखों एवं योजनाओं के विवरण सहित बहुउद्देशीय शिविर में अनिवार्य रूप से प्रतिभाग करने के निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित विकास अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिविर में स्थानीय विद्यायकों एवं जन–प्रतिनिधियों/क्षेत्रीय महाअनुभवों को शिविर में आमंत्रित करने तथा आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को शिविरों में दिव्यांग प्रमाण पत्र निर्गत करने हेतु चिकित्सकों की टीम गठित करने तथा समस्त तहसीलदारों को शिविर में आने वाले आवेदकों के आय, जाति, स्थाई, निवास प्रमाण पत्र जारी किए जाने हेतु कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

खुद चुनाव आयोग में सुधार जरूरी

अजीत द्विवेदी

इससे कोई इनकार नहीं कर सकता है कि देश में बड़े चुनाव सुधारों की जरूरत है। इसलिए चुनाव आयोग ने केंद्र सरकार को जो प्रस्ताव भेजे हैं, उनका स्वागत होना चाहिए। आयोग ने कई अहम सुधारों की जरूरत बताई है। जैसे एक व्यक्ति के एक सीट से ही चुनाव लड़ने का सुझाव बहुत अच्छा है। कई बार चुनाव हारने की जोखिम के कारण और कई बार राजनीतिक मैसेजिंग के लिए नेता एक से ज्यादा सीटों पर चुनाव लड़ते हैं। उनके दोनों सीटों से जीत जाने के बाद एक सीट खाली होती है, जिस पर उपचुनाव कराना होता है। इस तरह उपचुनाव के कई नुकसान हैं। चुनाव कराने में जो खर्च होता है वह अपनी जगह है लेकिन संबंधित विधानसभा या लोकसभा सीट पर कई महीनों तक अनिश्चितता बनी रहती है और चुनाव चल रहे होते हैं। चुनाव आयोग ने प्रस्ताव दिया है कि एक नेता के दो सीटों से लड़ने पर रोक लगे या उपचुनाव की स्थिति आने पर उससे भारी जुर्माना लिया जाए।

इस तरह का प्रस्ताव पहले भी आ चुका है। 2004 में यह प्रस्ताव आया था तब उपचुनाव होने की स्थिति में संबंधित नेता पर पांच लाख रुपए का जुर्माना लगाने का प्रस्ताव था। लेकिन जुर्माना लगाना या जुर्माने की रकम बढ़ाना कोई उपाय नहीं है क्योंकि मामला सिर्फ खर्च का नहीं है। इससे बड़े सवाल जुड़े हैं। किसी भी नेता के अपने निजी लाभ-हानि की वजह से उपचुनाव की नौबत ही क्यों आनी चाहिए? क्यों किसी खास इलाके के लोग इसकी वजह से पैदा होने वाली दुश्वारियां झेलें? एक सवाल यह भी है जो अक्सर उठाया जाता है कि जब मतदाता दो जगह वोट नहीं कर सकता है तो कोई नेता कैसे दो जगह से लड़ सकता है? इसलिए इस नियम में बदलाव जरूरी है। पहले 1996 में इसमें बदलाव हुआ था। उस समय तक एक नेता कई सीटों से लड़ सकता था। आजादी के बाद से ही ऐसा चल रहा था तभी अटल बिहारी वाजपेयी ने अपने जीवन का पहला लोकसभा चुनाव तीन सीटों से लड़ा था। वे 1957 में मथुरा, लखनऊ और बलरामपुर तीन जगहों से लड़े थे और बलरामपुर से जीते थे। 1996 में इस नियम को बदल दिया गया। नए नियम के मुताबिक कोई भी नेता एक साथ दो से ज्यादा सीटों से नहीं लड़ सकता है।

नेताओं का दो सीटों से लड़ना बहुत कॉमन प्रैक्टिस है। पिछले यानी 2019 के चुनाव में राहुल गांधी उत्तर प्रदेश की अमेठी और केरल की वायनाड सीट से लड़े थे। उससे पहले यानी 2014 में प्रधानमंत्री पद के दावेदार के तौर पर नरेंद्र मोदी ने उत्तर प्रदेश की वाराणसी और गुजरात की वड़ोदरा सीट से चुनाव लड़ा था और दोनों सीटों से जीते थे। बाद में उन्होंने वड़ोदरा सीट से इस्तीफा दे दिया था। इसलिए चुनाव आयोग को निश्चित रूप से यह सुधार कराना चाहिए, जिससे एक नेता के दो सीटों से लड़ने पर रोक लगे। लेकिन इसके साथ ही और भी कारणों पर ध्यान देना चाहिए, जिनसे उपचुनाव की नौबत आती है। अभी उत्तर प्रदेश की दो और पंजाब की एक लोकसभा सीट पर उपचुनाव हो रहा है। उत्तर प्रदेश के दोनों सांसदों ने इसलिए इस्तीफा दे दिया कि वे विधायक हो गए और पंजाब की संगरूर सीट के सांसद भगवंत मान ने इसलिए इस्तीफ दे दिया क्योंकि वे मुख्यमंत्री हो गए हैं और उनको विधानसभा का चुनाव लड़ना है। यह भी बहुत कॉमन प्रैक्टिस है कि सांसद विधानसभा का चुनाव लड़ें या विधायक लोकसभा का चुनाव लड़ें। इससे भी उपचुनाव की नौबत आती है।

बहरहाल, उपचुनाव रोकने के लिए चुनाव आयोग की ओर से दिया गया सुझाव अच्छा है लेकिन यह जरूरी चुनाव सुधारों का एक छोटा सा हिस्सा है। आयोग को कई अहम सुधार करने हैं। बोगस वोटिंग रोकने और वोटिंग प्रतिशत बढ़ाने के उपाय करने हैं। दागी छवि के उम्मीदवारों को चुनाव लड़ने से रोकने या उनकी संख्या कम करने के उपाय करने हैं। चुनाव खर्च के नियमों का उल्लंघन कर हर चुनाव में होने वाले करोड़ों-करोड़ रुपए के चुनाव खर्च को रोकना है। भड़काऊ भाषणों और विभाजनकारी बयानों से चुनाव में सांप्रदायिक ध्रुवीकरण के प्रयासों को स्थायी तौर पर रोकना है। पक्ष और विपक्ष के उम्मीदवारों के लिए लेवल प्लेइंग फील्ड यानी एक समान स्थितियां बनाने का काम करना है। जहां तक संभव हो एक साथ चुनाव कराने की दिशा में ठोस पहल करना है। इस तरह के कई चुनाव सुधार हैं, जो जरूरी हैं और जिनके लिए चुनाव आयोग को पहल करनी चाहिए।

परंतु उससे पहले ज्यादा जरूरी है कि चुनाव आयोग में सुधार किया जाए। चुनाव आयोग ने खुद भी कई बार कहा है कि उसके पास कोई खास अधिकार नहीं हैं। आयोग ने अदालतों में भी यह बात कही है। कम अधिकार होने की वजह से वह पार्टियों की मनमानी नहीं रोक पाती है। आचार संहिता के उल्लंघन के मामलों में भी उसके पास किसी कड़ी कार्रवाई का अधिकार नहीं है। चुनाव आयोग ने पिछले दिनों यह भी कहा कि उसके पास पार्टियों की मान्यता खत्म करने का अधिकार नहीं है। सवाल है कि पार्टियों की मान्यता खत्म करने या आचार संहिता का उल्लंघन करने वाले की उम्मीदवारी खत्म करने का अधिकार आयोग को क्यों चाहिए? आयोग के पास जितने अधिकार हैं, उनका भी तटस्थ और निष्पक्ष होकर इस्तेमाल किया जाए तो गड़बड़ियों पर प्रभावी रोक लगाई जा सकती है। आखिर जिस समय टीएन शेषन चुनाव आयुक्त बने थे उस समय तो आयोग के पास और भी कम अधिकार थे। लेकिन शेषन ने उस सीमित अधिकार का इस्तेमाल करके ही बोगस वोटिंग और बूथ कैप्चरिंग जैसी घटनाओं पर प्रभावी रोक लगाई थी। अपने सीमित अधिकारों का इस्तेमाल करके ही मुख्य चुनाव आयुक्त जेएम लिंगदोह ने कई सुधार कराए थे।

अगर चुनाव आयुक्त चाहें तो चुनाव आयोग के सीमित अधिकारों का ही प्रभावी इस्तेमाल कर सकते हैं। लेकिन इसके लिए जरूरी है कि वे तटस्थ और निष्पक्ष रहें। वे वस्तुनिष्ठ तरीके से कार्रवाई करें। यह नहीं हो सकता है कि प्रधानमंत्री के खिलाफ लगे आचार संहिता के उल्लंघन के मामलों में अलग कार्रवाई हो और विपक्षी नेताओं पर लगे आरोपों के मामले में अलग ढंग से कार्रवाई हो। निश्चित रूप से चुनाव आयोग को कुछ और अधिकार मिलना चाहिए। लेकिन उससे ज्यादा जरूरी यह है कि आयोग को निष्पक्ष बनाया जाए। चुनाव आयोग एक स्वतंत्र संवैधानिक संस्था के तौर पर काम करे न कि केंद्र सरकार के एक विभाग की तरह। ध्यान रहे पिछले कुछ सालों से आयोग पर सत्तारूढ़ दल के हिसाब से चुनाव की तारीखें तय करने, उसके हिसाब से चुनाव का शिड्यूल तैयार करने और सत्तारूढ़ दल के नेताओं के खिलाफ मिलने वाली शिकायतों पर कार्रवाई नहीं करने के आरोप लगे हैं। चुनाव के दौरान केंद्रीय एजेंसियां विपक्षी नेताओं पर कार्रवाई करती हैं और आयोग मूकदर्शक बना रहता है। इसलिए अधिकारों की मांग से पहले खुद चुनाव आयोग में सुधार की जरूरत है। आयोग अपने को बदले और वस्तुनिष्ठ तरीके से काम करे तो कई समस्याएं उतने से भी खत्म हो जाएंगी।

न सोम इन्द्रमसुतो ममाद नाब्रह्माणो मघवानं सुतासः।
तस्मा उक्थं जनये यज्जुजोषन्नृवन्नवीयः शृणवद्यथा नः।।

(ऋग्वेद ७–२६–१)

प्रेम और श्रद्धा का सोमरस उपासना के साथ प्रभु को अर्पित किया जाना चाहिए। ऐसा ही सोमरस आनंद प्रदान करता है। हम भी अपनी स्तुति का सोमरस परमेश्वर को अर्पित करते हैं जिससे वह हर्षित हो जाए और हमारी प्रार्थना कुछ सुन ले।

Som Ras (elixir) of love and reverence should be offered to the Lord through worship. Such Som Ras brings happiness. We also offer the Som Ras of our adoration to God so that He may rejoice and listen to our prayers.

(Rig Veda 7-26-1)

अल्मोड़ा में 8725 पशुओं को लगा खुरपका-मुंहपका रोग का टीका

अल्मोड़ा (आरएनएस)। जिले में खुरपका मुंहपका रोग की रोकथाम के लिए टीकाकरण अभियान जारी है।

विभाग अब तक २६२६ पशुपालकों के ८७२५ पशुओं को टीका लगा चुका है। २५ जून तक टीकाकरण अभियान चलाया जाएगा। पशुओं में होने वाले खुरपका मुंहपका रोग की रोकथाम के लिए विभाग की ओर से राष्ट्रीय पशु रोग नियंत्रण कार्यक्रम के तहत टीका लगाया जा रहा है, जिले भर में दो लाख पशुओं को टीका लगाने का लक्ष्य रखा गया है। वहीं बीते शनिवार से शुरू हुए टीकाकरण अभियान में अब तक विभाग की ओर से ८७२५ पशुओं को टीका लगाया जा चुका है। पशु पालन विभाग की डॉ. प्रतिभा ने बताया कि गुरुवार को अलग–अलग स्थानों पर १२२८ गाय और ८६ भैस समेत कुल २०८८ पशुओं का टीकाकरण किया गया है।

सहायक निदेशक डेरी विकास से मिला दुग्ध उत्पादकों का शिष्टमंडल

अल्मोड़ा (आरएनएस)। दुग्ध उत्पादकों के एक शिष्टमंडल ने गुरुवार को सहायक निदेशक डेरी विकास से मुलाकात की। दुग्ध क्रय मूल्य बढ़ाने समेत उत्पादकों की विभिन्न समस्याओं के निराकरण की मांग की। इस मौके पर दुग्ध उत्पादकों ने कहा कि क्रय दर में १ रुपया प्रतिलीटर बढ़ोतरी का आश्वासन दुग्ध संघ के अधिकारियों ने दिया, लेकिन दुग्ध मूल्य प्रोत्साहन की धनराशि अप्रैल से शुरू वित्त वर्ष की अभी तक शासन से अवमुक्त नहीं हुई है।

दुग्ध उत्पादकों ने धनराशि जल्द अवमुक्त करने और सरकार को दुग्ध संघों को आर्थिक सहायता देकर भुगतान ससमय करने की मांग की। इसके अलावा दुग्ध उत्पादकों ने चालू वित्तीय वर्ष में जिला योजना में दुग्ध संघ को दी जाने वाली धनराशि में कटौती किए जाने पर नाराजगी व्यक्त की। कहा कि इससे दुग्ध संघ के अनेक आवश्यक कार्य प्रभावित होंगे। वहीं दुग्ध उत्पादकों ने दन्या मार्ग मे दुग्ध एटीएम चलाने की भी मांग की है। शासन, प्रशासन और दुग्ध संघ अधिकारियों को १५ दिनों में मांगों पर सकारात्मक कार्रवाई न होने पर आंदोलन की चेतावनी दी। यहां आनन्द सिंह बिष्ट, ब्रह्मानन्द डालाकोटी, त्रिभुवन तिवारी, दुग्ध संघ की ओर से अध्यक्ष महेंद्र सिंह बिष्ट, प्रधान प्रबंधक संतोष कुमार, सहायक निदेशक सुनील अधिकारी समेत कई अन्य लोग मौजूद रहे।

प्रमोशन के बाद 89 शिक्षकों को विद्यालय आवंटित

नैनीताल (आरएनएस)। बेसिक शिक्षा में कार्यरत शिक्षकों की सहायक अध्यापक एलटी में पदोन्नति एवं रिक्त स्थानों के सापेक्ष नियुक्ति के लिए की जा रही काउंसिलिंग गुरुवार को भी जारी रही। गुरुवार को गणित एवं विज्ञान विषय के लिए काउंसिलिंग हुई। इसके लिए १०३ शिक्षकों को बुलाया गया था, जिसमें से ८६ को वरीयता के क्रम में रिक्त स्थानों के सापेक्ष विद्यालय आवंटित किए गए। अपर निदेशक माध्यमिक शिक्षा लीलाधर व्यास ने बताया कि प्रारंभिक शिक्षा में कार्यरत ३० फीसदी शिक्षकों को पदोन्नति कोटे के तहत पदोन्नत करने के लिए जीजीआईसी सभागार में काउंसिलिंग हुई। गणित में ५० तथा विज्ञान विषय में ५३ को काउंसिलिंग के लिए बुलाया गया। गणित में ४८ व विज्ञान में ४१ ने काउंसिलिंग में प्रतिभाग किया। इन्हें विद्यालय आवंटित किए गए। एक जुलाई को अंग्रेजी, व्यायाम, कला, गृह विज्ञान, सामान्य, वाणिज्य, संगीत की काउंसिलिंग होगी। काउंसिलिंग में मुख्य प्रशासनिक अधिकारी पूरन सिंह बिष्ट, जगमोहन रौतेला, ललित मोहन उपाध्याय, आलोक जोशी, नवीन पांडे, राजेंद्र अधिकारी, संजय रौतेला आदि लगे हुए हैं।

लक्षित ने जीता सर्वश्रेष्ठ निशानेबाज का पुरस्कार

नैनीताल (आरएनएस)। भारतीय थल सेना द्वारा रानीखेत में आयोजित निशानेबाजी प्रतियोगिता में हरमन माइनर स्कूल भीमताल के एनसीसी कैडेट लक्षित त्रिपाठी ने सर्वश्रेष्ठ निशानेबाज का पुरस्कार हासिल किया है। इस प्रतियोगिता में यूके एनसीसी बटालियन अल्मोड़ा, नैनीताल व पिथौरागढ़ के कैडेटों ने प्रतिभाग किया। लक्षित ने एनसीसी जूनियर व सीनियर डिवीजन वर्ग में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए ओवरऑल बेस्ट फायरिंग अवार्ड में प्रथम स्थान प्राप्त कर नैनीताल जिले व स्कूल का नाम रोशन किया है। इसके अलावा स्कूल के कैडेट पूर्वांश जोशी, सचिन सागुड़ी, हिमेश भट्ट का चयन एनसीसी कैंप रुड़की के लिए किया गया है। कैडेट की इस उपलब्धि पर एसओएस संस्था की शिक्षा एवं बाल निदेशिका देवोरति बोस व प्रधानाचार्य केडी सिंह ने खुशी व्यक्त करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। इधर स्कूल पहुंचने पर गुरुवार को कैडेटों का स्वागत किया गया।

लाभार्थी सम्मान समारोह आयोजित किया

नैनीताल (आरएनएस)। विकास भवन सभागार में गुरुवार को प्रदेश सरकार के सौ दिन पूरे होने पर लाभार्थी सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इसमें भीमताल के विधायक राम सिंह कैड़ा व नैनीताल की विधायक सरिता आर्य ने राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं के बारे में लोगों को जानकारी दी। कहा कि प्रदेश सरकार ने सौ दिन के कार्यकाल में विकास के क्षेत्र में ऐतिहासिक निर्णय लिए हैं, जिनका लोगों को लाभ मिल रहा है। इस दौरान प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभार्थियों और मनरेगा मेंघ सौ दिन पूर्ण करने वाले श्रमिकों को प्रोत्साहन राशि के रूप में चेक व प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया।

विधायक कैड़ा ने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में जनकल्याण एवं सुशासन की यह यात्रा प्रदेश के विकास का एक नया अध्याय लिखने जा रही है। कार्यक्रम में डीएम धीराज सिंह गर्ब्याल, सीडीओ डॉ. संदीप तिवारी, एसडीएम प्रतीक जैन, भाजपा मंडल अध्यक्ष मनोज भट्ट, भावना मेहरा, मीना बिष्ट, शरद पांडे, अनिल चनौतिया, पंकज उप्रेती, कमल जोशी, गोपाल कृष्ण भट्ट, दीवानी राम समेत विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। उधर, ओखलकांडा में प्रमुख कमलेश कैड़ा ने प्रदेश सरकार के सौ दिन पूरे होने पर प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभार्थियों को राशि वितरित की। यहां दीपक बर्गली, बलवीर बर्गली, रामू मछखोलिया, गणेश नेगी, बीडीओ तनवीर असगर आदि मौजूद रहे।

विधानसभा अध्यक्ष ने शहर में सफाई व्यवस्था को चाक चौबंद रखने के निर्देश दिए

कार्यालय संवाददाता

कोटद्वार। उत्तराखंड विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूडी भूषण ने आज कोटद्वार शहर में कूड़ा निस्तारण, सफाई व्यवस्था सहित आदि विषयों को लेकर नगर निगम कोटद्वार के अधिकारियों के संग समीक्षा बैठक की। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष ने ट्रेचिंग ग्राउंड, पानी भराव की समस्या, नालों की सफाई को लेकर निर्देश देते हुए कुछ आवश्यक सुझाव भी दिए।

विधानसभा अध्यक्ष के नींबूचौड़ स्थित निजी आवास पर बैठक के दौरान नगर निगम के सभी अधिकारी मौजूद थे। नगर निगम के अधिकारियों से कूड़ा निस्तारण, सफाई व्यवस्था आदि के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी ली। इस दौरान विधानसभा अध्यक्ष ने शहर में सफाई व्यवस्था को चौक चौबंद रखने के निर्देश दिए वहीं जलभराव की समस्या के निस्तारण के लिए कहा।मानसून सीजन का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि बरसात में नाले अवरुद्ध होने से जनता को दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। ऐसे में आवश्यक है कि नगर निगम सभी नालियों और नालों की हर हाल में सफाई कराना सुनिश्चित करें। डेंगू से बचाव के मद्देनजर पर्याप्त मात्रा में छिड़काव की व्यवस्था की जाए।

विधानसभा अध्यक्ष ने ट्रेचिंग ग्राउंड के लिए त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। साथ ही निराश्रित एवं आवारा पशुओं को गौशाला में रखे जाने की बात कही। इस अवसर पर घर–घर से कूड़ा उठाए जाने, छिड़काव किए जाने व जगह जगह पर कूड़े दानों की उचित व्यवस्था बनाए रखने के लिए कहा। विधानसभा अध्यक्ष ने हर घर पर पेयजल आपूर्ति के लिए शहरी क्षेत्र में प्रारंभ होने वाली अमृत योजना २ की प्रगति की जानकारी अधिकारियों से ली। वहीं चौराहों पर प्रकाश व्यवस्था को दुरुस्त रखने के लिए कहा।

इस अवसर पर नगर निगम कोटद्वार के नगर आयुक्त किशन सिंह नेगी, सहायक नगर आयुक्त अजर अली, सहायक नगर आयुक्त मोहम्मद कामिल, सहायक अभियंता रविंद्र पवार, सफाई निरीक्षक सुनील सिंह मौजूद थे।

खटीमा ब्लॉक में चिकित्सकों की टीम के साथ एंबुलेंस सेवा

रुद्रपुर (आरएनएस)। हेमकुंड फाउंडेशन द्वारा खटीमा ब्लॉक को एंबुलेंस भेंट की है। एंबुलेंस में ग्रामीण क्षेत्रों में ईसीजी, शुगर की जांच और दवाईयां फ्री देने की व्यवस्था है। इस एंबुलेंस में केवल ओपीडी पर्चे की १० रुपये फीस ली जाती है।

गुरुवार को विधायक भुवन कापड़ी ने चकरपुर क्षेत्र में हेमकुंड फाउंडेशन के कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि जो लोग अस्पताल की पहुंच से दूर हैं उनको घर बैठे स्वास्थ्य सुविधाएं फांडेशन पहुंचा रहा है।

लालकुआं में 300 घरों को खाली करने के नोटिस चस्पा

नैनीताल (आरएनएस)। रेलवे ने गुरुवार को पुलिस प्रशासन के साथ लालकुआं की नगीना कॉलोनी के ३०० से अधिक घरों में नोटिस चस्पा कर १५ दिन के भीतर अतिक्रमण हटाने की हिदायत दी।

इस दौरान रेल कर्मियों से कॉलोनीवासियों की नोकझोंक भी हुई। कुछ महिलाएं आत्मदाह करने की चेतावनी भी दे रही थीं। नोटिस चस्पा होने से कॉलोनीवासियों में हड़कंप मचा हुआ है। रेलवे सुरक्षा बल के प्रभारी निरीक्षक तरुण वर्मा, तहसीलदार लालकुआं सचिन कुमार, जीआरपी और सिविल पुलिस के साथ नगीना कॉलोनी पहुंचे रेल विभाग के अधिकारियों ने सभी कॉलोनीवासियों के घरों में नोटिस चस्पा करते हुए हिदायत दी कि वे १५ दिन के भीतर अपने निर्माण स्वयं हटा लें, अन्यथा रेल विभाग अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई कब्जाधारियों के खर्चे से करेगा। इसकी बाकायदा वसूली की जाएगी।

जयंती पर शहीद मेजर दुर्गामल्ल को दी श्रद्धांजलि

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। प्रदेश कांग्रेस कमेटी कार्यालय में आजाद हिंद फौज के प्रथम शहीद महान क्रान्तिकारी स्व० मेजर दुर्गामल्ल की जयंती पर कांग्रेसजनों द्वारा शहीद दुर्गामल्ल के चित्र पर माल्यर्पण कर उन्हें श्रद्धापूर्वक याद किया गया।

उत्तराखण्ड प्रदेश कांग्रेस कमेटी कार्यालय में गोरखा प्रकोष्ठ के तत्वावधान में शहीद दुर्गामल के जयंती पर कांग्रेसजनों नें उनका भावपूर्ण स्मरण करते हुए उनके चित्र पर पुष्प अर्पित किये। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित थे। इस अवसर पर महानगर कांग्रेस अध्यक्ष लाल चंद शर्मा ने कहा कि गोरखा समुदाय का देश की आजादी से लेकर देश की सीमाओं की रक्षा करने के साथ–साथ उत्तराखण्ड के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान रहा है जिसे कभी भुलाया नहीं जा सकता है। गोरखा समुदाय के वीर भारत देश की सीमाओं की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर करने में कभी भी पीछे नहीं हटे। शहीद मेजर दुर्गामल्ल उन्हीं वीरों में से एक थे जिन्होंने देश की आजादी से लेकर आज तक हमेशा देश की एकता, अखण्डता व सम्प्रभुता के लिए

अनेकों बलिदान दिये हैं।

गोरखा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष अनिल बस्नेत ने कहा की शहीद दुर्गा मल्ल का जन्म १ जुलाई, १९१३ को डोइवाला देहरादून में हुआ। उन्हें शुरू से ही खेलकूद का शौक था। १९३१ में १८ वर्ष की आयु में २/१ जीआर में भर्ती हुए। विवाह के तीन दिन बाद १९४१ में दूसरे विश्व युद्ध के दौरान पल्टन के लिए रवाना हो गए। भारतीय राष्ट्रीय सेना में मेजर दुर्गा मल्ल का विशेष स्थान था। उन्हें अंग्रेजों ने २५ अगस्त १९४४ को फांसी दी। वे ३१ वर्ष की आयु में देश के नाम पर शहीद हो गए। डीएस प्रधान ने कहा कि अमर शहीद दुर्गा मल्ल को उनकी कुर्बानी के लिए हमेशा याद किया जाएगा।

उन्होनें अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ संघर्ष का बिगुल फूंक कर देश के लिए अपनी शहादत भी दी थी। उनके इस बलिदान से देश के युवा पीढ़ी को प्रेरणा लेने की जरूरत है। इस दौरान प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोर्खा प्रकोष्ठ अनिल बस्नेत, महामंत्री नवीन जोशी, महानगर अध्यक्ष लालचन्द शर्मा, प्रदेश मीडिया पैनलिस्ट गरिमा दसौनी, राजीव थापा, शीशपाल बिष्ट, राजू गुरूंग, विनोद चौहान, दीपक थापा, दुर्गा क्षेत्री, राजेन्द्र भटट, यशपाल नेगी, नवीन रावत, केबी थापा, राजेन्द्र शर्मा, आदि शामिल थे।

जी हुजूर सरकार की मुसीबत

वेद प्रताप वैदिक

मोदी सरकार ने जो नई अग्निपथ योजना घोषित की है, उसके खिलाफ सारे देश में जन-आंदोलन शुरु हो गया है। यह आंदोलन रोजगार के अभिलाषी नौजवानों का है। यह किसानों और मुसलमानों के आंदोलन से अलग है। वे आंदोलन देश की जनता के कुछ वर्गो तक ही सीमित थे। यह जाति, धर्म, भाषा और व्यवसाय से ऊपर उठकर है। इसमें सभी जातियों, धर्मों, भाषाओं, क्षेत्रों और व्यवसायों के नौजवान सम्मिलित है। इसके कोई सुनिश्चित नेता भी नहीं हैं, जिन्हें समझा-बुझाकर चुप करवाया जा सके।

यह आंदोलन स्वत: स्फूर्त है। जाहिर है कि इस स्वत:स्फूर्त आंदोलन के भड़कने का मूल कारण यह है कि नौजवानों केा इसके बारे में गलतफहमी हो गई है। वे समझ रहे हैं कि 75 प्रतिशत भर्तीशुदा जवानों को यदि 4 साल बाद हटा दिया गया तो कहीं के नहीं रहेंगे। न तो नई नौकरी उन्हें आसानी से मिलेगी और न ही उन्हें पेंशन आदि मिलने वाली है। इस आशंका का जिक्र मैंने परसों अपने लेख में किया था।

इसे लेकर ही सारे देश में आंदोलन भड़क उठा है। रेले रूक गई हैं, सड़के बंद हो गई हैं और आगजनियां भी हो रही हैं। बहुत से नौजवान घायल और गिरफ्तार भी हो गए हैं। एक जवान ने आत्महत्या भी कर ली है। यह आंदोलन पिछले सभी आंदोलनों से ज्यादा खतरनाक सिद्ध हो सकता है, क्योंकि ज्यादातर आंदोलनकारी वे ही नौजवान हैं, जिनके रिश्तेदार, मित्र या पड़ौसी पहले से भारतीय फौज में है। इस आंदोलन से वे फौजी भी अछूते नहीं रह सकते।

सरकार ने इस अग्निपथ योजना को थोड़ा ठंडा करने के लिए भर्ती की उम्र को साढ़े सतरह साल से 21 साल तक जो रखी थी, उसे अब 23 तक बढ़ा दिया है। यह राहत जरुर है लेकिन इसका एक दुष्परिणाम यह भी है कि चार साल बाद याने 27 साल की उम्र में बेरोजगार होना पहले से भी ज्यादा हानिकर सिद्ध हो सकता है। यह ठीक है कि सेना से 4 साल बाद हटनेवाले 75 प्रतिशत नौजवानों को सरकार लगभग 12-12 लाख रु. देगी तथा सरकारी नौकरियों में उन्हें प्राथमिकता भी मिलेगी।

लेकिन असली सवाल यह है कि मोदी सरकार ने इस मामले में भी क्या वही गलती नहीं कर दी, जो वह पिछले आठ साल में एक के बाद एक करती जा रही है? 2014 में सरकार बनते ही उसने भूमि-ग्रहण अध्यादेश जारी किया, अचानक नोटबंदी घोषित कर दी, कृषि कानून बना दिए और पड़ौसी देशों के मामले में कई बार गच्चा खा गई।

इससे यही साबित होता है कि वह नौकरशाहों के मार्गदर्शन पर एक अनेक देशहितकारी कदम उठाने का सत्साहस तो करती है लेकिन उनके कदमों का जिन पर असली असर होना है, उन्हें वह बिल्कुल भी घांस नहीं डालती है। वह यह भूल रही है कि वह लोकतंत्र की सरकार है। वह किसी बादशाह की सल्तनत नहीं है कि उसने जो भी हांक लगाई तो सारे दरबारियों ने कह दिया 'जी हुजूर'!

टिनिटस के प्रभाव को कम करने में मदद करते हैं ये योगासन, जानिए अभ्यास का तरीका

टिनिटस कान से जुड़ी एक बीमारी है, जिससे ग्रस्त व्यक्ति को कानों में सीटी या भिनभिनाने जैसी आवाज सुनाई देती है, जबकि ये आवाजें कहीं बाहर से नहीं आती। सुनने की क्षमता कम होने, कान में मैल का जमाव, कान में चोट या संक्रमण होने आदि के कारण टिनिटस हो सकता है। हालांकि, कुछ योगासनों का नियमित अभ्यास इसके प्रभाव को कम करने में मदद कर सकता है। आइए आज ऐसे कुछ योगासनों के अभ्यास का तरीका जानते हैं।

सबसे पहले योगा मैट पर दंडासन की स्थिति में बैठकर अपने दाएं पैर को मोड़ें और इसे बाईं जांघ के ऊपर से ले जाते हुए बाएं नितंब के पास जमीन पर रख लें। इसी तरह अपने बाएं पैर को मोड़ते हुए दाईं जंघा के नीचे से दाए नितंब के पास जमीन पर रख लें। अब अपने दोनों हाथों को कोहनी से मोड़ते हुए उन्हें पीठ के पीछे आपस में पकड़ने का प्रयास करें। कुछ देर इसी अवस्था में बने रहें। उष्ट्रासन का अभ्यास करने के लिए सबसे पहले योगा मैट बिछाकर उस पर घुटनों के बल बैठ जाएं, फिर घुटनों के बल ही खड़े हो जाएं। अब सामान्य रूप से सांस लेते हुए पीछे की ओर झुकें और दाईं हथेली को दाईं एड़ी पर और बाईं हथेली को बाईं एड़ी पर रखने की कोशिश करें। इस मुद्रा में कम से कम एक-दो मिनट रहने के बाद धीरे-धीरे सामान्य हो जाएं और कुछ मिनट विश्राम करें। विपरीतकरणी आसन का अभ्यास करने के लिए सबसे पहले योगा मैट पर सीधे पीठ के बल लेट जाएं। अब अपने पैरों को धीरे-धीरे ऊपर की तरफ उठा कर 90 डिग्री का कोण बना लें। ध्यान रखें कि आपके तलवे ऊपर की ओर होने चाहिए। इसके बाद अपने नितंब को ऊपर उठाने की कोशिश करें। इस मुद्रा में कम से कम दो-तीन मिनट तक रहने के बाद धीरे-धीरे सामान्य हो जाएं। इसके बाद दोबारा इस योगासन का अभ्यास करें।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

—प्रबंधक विज्ञापन

ड्रायर के इस्तेमाल ने बालों को बना दिया है रुखा और बेजान, इस तरह करें उन्हें रिपेयर

घने, चमकदार और मुलायम बाल व्यक्तित्व को निखारते हैं लेकिन उन पर किया जाने वाला तरह-तरह का एक्सपेरिमेंट उनको रुखा और बेजान बना देता है। ज्यादातर लोग बालों को वॉल्यूम, स्टाइल और ड्राय करने के लिए इलेक्ट्रॉनिक चीजों का इस्तेमाल करते हैं। जिसकी वजह से बाल रूखे और बेजान हो जाते हैं। ऐसे में अगर आप भी ऐसा करते है या करते थे और आपके बाल भी डैमेज हो गए हैं तो हम आपके लिए डैमेज हुए बालों को रिपेयर करने के कुछ आसान तरीके लेकर आए है। तो चलिए जानते है इनके बारे में...

दहीं

दहीं बालों के लिए कंडीशनर का काम करता है। यह बालों को मुलायम और चमकदार बनाता है और रूसी की समस्या को भी दूर करता है। इसके लिए आप दही में एक चम्मच शहद मिलाकर एक पेस्ट बनाएं और इसे बालों में 15-20 मिनट तक लगा रहने दे ऐसा करने से आपके बालों की खोई हुई चमक वापिस लौट आएगी।

एलोवेरा

बालों को पोषण पहुंचाने का सबसे अच्छा और आसान तरीका है एलोवेरा का इस्तेमाल। एलोवेरा हमारी स्किन और बाल दोनों के लिए फायदेमंद होता है। एलोवेरा अच्छा मॉइस्चराइजिंग पदार्थ है। इसका बालों में इस्तेमाल करने के लिए आप एलोवेरा के ताजे पत्ते से आप एलोवेरा निकाल सकते हैं और उसे बालों पर लगाएं। ऐसा करने से आपके बालों में शाइन आएगी। आप हफ्ते में दो बार इसको बालों पर लगा सकते हैं।

अंडा

डैमेज बालों को नरिश करने के लिए आप अंडे का इस्तेमाल कर सकते हैं। अंडे में प्रोटीन मौजूद होता है जो बालों की ग्रोथ के लिए बहुत जरूरी है। इसके लिए आपको हफ्ते में एक बार अंडे का हेयर मास्क बालों पर जरूर लगाना चाहिए। वहीं, बादाम तेल प्राकृतिक मॉइस्चराइजर और कंडीशनर की तरह काम करता है। आप बादाम तेल और अंडे को मिलाकर एक मिश्रण तैयार कर लें। आप अंडे को फेंटकर बालों में लगा सकते हैं। फिर बालों के कुछ-कुछ भाग को लेकर इस मिश्रण को बालों की जड़ों से लेकर ऊपरी छोर तक लगाएं। बालों में करीब आधा घंटे तक लगे रहने के बाद शैंपू कर लें।

एवोकाडो

एवोकाडो में विटामिन-बी और ई होते हैं, जो बालों को पोषण देते हैं। ये बालों को हुए नुकसान की भरपाई भी करते हैं। वहीं, दही की मदद से बालों को गहराई से कंडीशन किया जा सकता है। इसके लिए आप एवोकाडो को काटकर अंदर के बीज को निकाल लें। फिर एवोकाडो को और दही को मिलाकर एक गाढ़ा पेस्ट तैयार कर लें। इस तैयार पेस्ट को करीब 30-35 मिनट के लिए बालों पर लगा रहने दे। इसके बाद शैंपू और कंडीशनर से बालों को धो लें।

नारियल तेल

विटामिन-ई का तेल में प्रचुर मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट होता है जो बालों को नुकसान होने से बचाता है। वहीं, नारियल तेल का तेल बालों को गहराई से कंडीशन करता है। आप दोनों तेल को अच्छी तरह से मिलाकर बालों पर अच्छी तरह से लगा ले। 40 मिनट तक तेल को बालों में सोखने दें उसके बाद बालों को धो लें। आप हफ्ते में एक या दो बार ऐसा कर सकते है।

शहद

शहद एक अच्छा कंडीशनर होता है। शहद हुमेक्टैंट की तरह काम करता है, जो आपके बालों में मॉइस्चर को लॉक करता है। यह आपके बालों को मजबूत, घना और चमकदार बनाता है। इसके लिए आप शहद को पानी में डालकर घुलने दें और फिर बालों में 30 मिनट तक लगाए। उसके बाद बालों को शैम्पू और कंडीशनर से धो लें।

सेब का सिरका

सेब का सिरका आपके बालों के पीएच स्तर को संतुलित करने में मदद करता है और किसी भी खुले क्यूटिकल्स को बंद करता है। इसको लगाने से बालों पर चमक लौट आती है। इसके लिए आप एक जग ठंडे पानी में सेब का सिरका मिला लें। पहले अपने बालों को शैम्पू से धो लें और फिर सेब के सिरके के पानी से धो लें। थोड़ी देर के लिए सेब के सिरके को बालों में लगा रहें दें और फिर कंडीशनर की मदद से बालों को धो लें।(आरएनएस)

शब्द सामर्थ्य -78

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. आय व्यय का लेखा-जोखा, गणित, एकाउंट 3. विनती, अदब 6. दृष्टांत, सुपुर्दगी, उदाहरण 7. मूल्यवान, बहुमूल्य 8. अच्छे ढंग में गाया जाने वाला सुंदर गीत 10. बराबर, सम 12. मुख, चेहरा 14. अनुकृति, अनुकरण, असल का विलोम 17. दिमाग, मस्तिष्क 18. मनोहर, सुंदर, इच्छित, प्यारा 19. गर्मी, ताप 21. रसिया, प्रेमी, रसपान करने वाला 23. दबाव, भार 24. भीख 25. काम से जी चुराने वाला, आलसी।

ऊपर से नीचे

1. साहस, वीरता, बहादुरी 2. बहिन, प्रवाहित होना 3. प्रणय क्रीडा, सुखोपभोग, हावभाव 4. विश्वास, प्रतीति 5. इंतजार 9. खाने-पीने का सामान, रसद 11. नशीला, मदभरा 12. घायल, जख्मी 13. झुकना, प्रणाम, नमस्कार 14. दृष्टि, निगाह 15. तीव्रइच्छा 16. अर्थ, अभिप्राय, स्वार्थ 20. इम्तिहान, योग्यता आदि को परखना 22. जुल्म, अन्याय 23. पत्नी, बीवी, एक प्रत्यय।

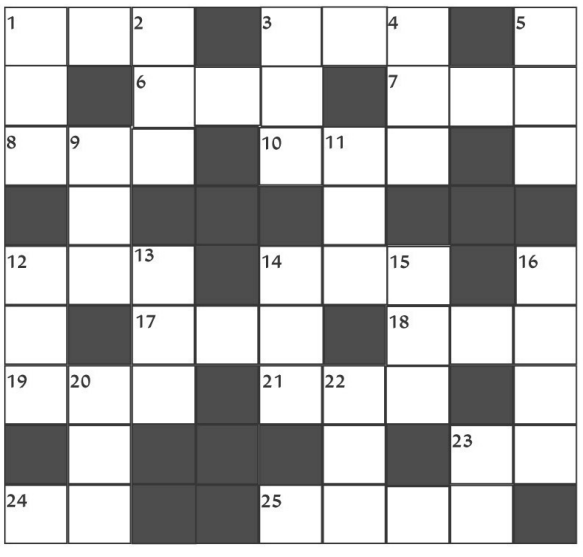

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 77 का हल

दा	ढ़ी		की		खा	सो	आ	म
वा		त	म	न्ना			जा	
न	जा	क	त		बा	अ	द	ब
ल		ली		वि	ला	प		हा
	अ	फ	सा	ना		मा	हि	र
दा	ब			श	गु	न		
न		उ	प	का	र		शि	
व		त्स		र		त	क	ला
	सा	व	न		गु	रु	वा	र

बदला ओम : द बैटल विदिन का नाम, अब हुई राष्ट्र कवच : ओम

एक्टर आदित्य रॉय कपूर की फिल्म एक्शन थ्रिलर फिल्म 'ओम: द बैटल विदिन' को रिलीज़ होने में कुछ ही दिन बचे हैं। ऐसे में फिल्म मेकर्स ने फिल्म को लेकर बड़ा ऐलान किया हैं। एक्शन थ्रिलर फिल्म 'ओम: द बैटल विदिन' का नाम बदल कर कर 'राष्ट्र कवच ओम' कर दिया गया हैं। हाल ही में फिल्म का ट्रेलर रिलीज़ हुआ जिसको देखने के बाद फैंस इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस फिल्म में आदित्य रॉय कपूर फुल एक्शन में नजर आ रहे हैं।

कपिल वर्मा द्वारा डायरेक्ट की गई इस फिल्म का नाम पहले 'ओम: द बैटल विदिन' जिसे बदल कर 'राष्ट्र कवच ओम' कर दिया गया हैं। हालांकि निर्माताओं ने अभी तक इसके बारे में आधिकारिक घोषणा नहीं की है। इस बात की जानकारी इस इंटरव्यू के दौरान ओम टीम द्वारा दी गई है। इस फिल्म में आदित्य रॉय कपूर के साथ मुख्य भूमिका में एक्ट्रेस संजना सांघी नजर आएंगे। वही आदित्य रॉय कपूर और संजना सांघी पहली बार बड़े पर्दे पर एक साथ नजर आएंगी। जानकारी के अनुसार, 'ओम: द बैटल विदिन' के लिए फिल्म मेकर्स को कॉपी राइट की दिक्कत सामने आ रही थी। जिसके कारण ओम टीम ने फिल्म के नाम को चेंज करने का मन बनाया हैं।

हाल ही में फिल्म का ट्रेलर रिलीज़ हुआ जिसको दर्शकों ने खूब पसंद किया हैं। वही हाल में फिल्म 'ओम: द बैटल विदिन' का नया गाना रिलीज़ हुआ था। फिल्म का गाना 'काला शा काला' लोगो को खूब पसंद आया। इस गाने में आदित्य रॉय कपूर और एलनाज़ नोरौज़ी साथ डांस करते नजर आ रहे हैं। इस गाने को राही और देव नेगी ने गाया है और इसका संगीत अमजद नदीम और एनबी ने दिया है। और गाने के बोल कुमार ने लिखे हैं। वही यह फिल्म ०1 जुलाई को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

एसएस राजामौली ने साइबर-हॉरर वेब सीरीज अन्याज ट्यूटोरियल का ट्रेलर जारी किया

निर्देशक एस.एस. राजामौली ने अन्याज ट्यूटोरियल का ट्रेलर जारी किया, जिसमें रेजिना कैसेंड्रा और निवेदिता सतीश मुख्य भूमिकाओं में हैं।

प्रभास द्वारा लॉन्च किए गए सीरीज के टीजर ने पहले ही दुनिया भर के तेलुगू दर्शकों की उत्सुकता जगा दी है।

साइबर-हॉरर 2 जुलाई को तेलुगू और तमिल में ओटीटी प्लेटफॉर्म अहा पर प्रीमियर के लिए तैयार है।

अन्याज ट्यूटोरियल दो बहनों के बीच एक साइबर-हॉरर की कहानी को दर्शाएगी। लावण्या (निवेदिता सतीश) एक सामाजिक प्रभावक के रूप में अपना करियर बनाने की कोशिश करती नजर आएंगी, जबकि उसकी बड़ी बहन मधु (रेजिना कैसेंड्रा) उसके पेशे को नापसंद करती है।

लावण्या का किरदार निभा रही निवेदिता सतीश ने कहा, मेरी मातृभाषा तेलुगू है और मुझे लगता है कि मैं इस सीरीज के माध्यम से अपनी मातृभूमि में वापस आ गई हूं। यह अर्का मीडिया जैसे विशाल प्रोडक्शन हाउस द्वारा लॉन्च किए जाने वाले सपने के सच होने जैसा है। बाहुबली प्रभास ने खुद फिल्म का टीजर लॉन्च किया है। इसके अलावा, राजामौली सर ने भी ट्रेलर को रिलीज किया है।

अभिनेत्री तापसी पन्नू की शाबाश मिठू का ट्रेलर हुआ रिलीज

हिंदी सिनेमा जगत की जानी मानी अभिनेत्री तापसी पन्नू अभिनीत शाबाश मिठू के निर्माताओं ने आगामी फिल्म के ट्रेलर को रिलीज कर दिया है। इस ट्रेलर में देखा जा सकता है कि कैसे एक लड़की ने खेल को बदल दिया और इसे जीतने में सफल रही।

राष्ट्रीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने ट्विटर पर दिग्गज क्रिकेटर मिताली राज के जीवन पर आधारित फिल्म के ट्रेलर का एक लिंक शेयर किया है।

दो मिनट से ज्यादा के ट्रेलर की शुरूआत मिताली के बचपन की कहानी से होती है। यह बाद में इस ओर जाता है कि उसने कैसे खेलना शुरू किया, फिर कैसे अभ्यास किया, कैसे क्रिकेट में शामिल हुई और बाद भी कप्तान बनी साथ ही साथ महिला होने की अलग कठिनाईयों का सामना किया।

तापसी को यह कहते हुए सुना जाता है, ऐसा खेल के दिखाएंगे कि कोई हमारी पहचान कभी कोई भूल न पाए।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपने 23 साल के लंबे करियर के रिकॉर्ड तोड़ने के लिए जानी जाने वाली मिताली राज ने वनडे में 10,000 से ज्यादा रन बनाए।

ट्रेलर में नजरिया बदलो, खेल बदल गया का संदेश सम्मोहक संवादों और मिताली की भूमिका निभाने वाली प्रतिभाशाली तापसी की झलकियों के साथ पूरी दृढ़ता के साथ समाहित है।

श्रीजीत मुखर्जी द्वारा निर्देशित और वायकॉम18 स्टूडियो द्वारा निर्मित यह फिल्म 15 जुलाई को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

डॉन 3 में साथ नजर आएंगे शाहरुख और अमिताभ

बॉलीवुड के शहंशाह अमिताभ बच्चन कई बार साबित कर चुके हैं कि वो सोशल मीडिया पर है. इंस्टाग्राम हो या ट्विटर बिग बी हर प्लेटफॉर्म पर बहुत सक्रीय हैं. फैंस से कनेक्शन बनाये रखने के लिये बच्चन साहब रोज ही कुछ ना कुछ साझा किया करते हैं. इस दफा उन्होंने फैंस से एक ऐसा सीक्रेट शेयर किया है, जिसे जानने के बाद हर कोई खुशी से उछलते हुए दिखाई देने वाले है.

क्या बन रही है डॉन 3?: इंटरनेट पर बहुत समय से डॉन 3 बनने की बातें सुनने के लिए मिल रही है. वहीं अब बिग बी ने भी डॉन 3 बनने का हिंट दे दिया है असल में अमिताभ बच्चन ने इंस्टाग्राम पर शाहरुख खान के साथ एक अनदेखी तस्वीर साझा की है. थ्रोबैक में वो किंग खान को डॉन फिल्म के ओरिजिनल पोस्टर पर ऑटोग्राफ देते नजर आ रहे है.

अमिताभ बच्चन द्वारा साझा की गई ये फोटो भारतीय सिनेमा के 100 वर्ष पूरे होने के दौरान की है. इस अवसर पर अमिताभ बच्चन, दिलीप कुमार और शाहरुख खान ने एक मैगजीन के लिये साथ में फोटोशूट करवाया था. बस खुशी के इस पल में किंग खान ने बिग बी से डॉन के पोस्टर पर ऑटोग्राफ देने की अपील कर रहे है.

अमिताभ बच्चन ने भी शाहरुख का मान रखा और झट से पोस्टर पर ऑटोग्राफ दे डाला. वहीं अब अमिताभ बच्चन का पोस्ट देखने के उपरांत सोशल मीडिया पर डॉन 3 ट्रेंड होता हुआ दिखाई दे रहा है. ऐसे अनुमान लगाये जा रहे हैं कि अब तो पक्का ही डॉन 3 बन कर रहेगी. अगर ऐसा होता भी है, तो क्या इस बार बिग बी और किंग खान साथ में पर्दे पर दिखाई देंगे. या फिर सिर्फ शाहरुख खान ही फिल्म के लीड हीरो होंगे.

इन सारे सवालों का जवाब जानने के लिये हमें थोड़ा इंतजार करना होगा. हां... हां... पता है कि फिल्म को लेकर एक्साइटेड हो, पर इंतजार करने के अलावा कोई विकल्प भी नहीं है.

नोरा फतेही बनाना चाहती है सैफ को अपना ससुर

अपने दिलकश अदाओं और अपने बेहतरीन डांस के साथ-साथ अपनी खूबसूरती के दम पर पूरे बॉलीवुड में अपने नाम का परचम लहराने वाली नोरा फतेही आज किसी परिचय की मोहताज नहीं रह गई हैं. नोरा फतेही उन टॉप अभिनेत्रियों में गिनी जाती हैं जिनके साथ काम करना हर एक अभिनेता का सपना होता है. नोरा ने बॉलीवुड में बहुत ही कम समय में अपने काम के दम पर अपना बहुत बड़ा नाम किया है, लेकिन इसी बीच नोरा फतेही को लेकर एक खबर आई है, खबर यह है कि ओर फतेही तैमूर अली खान से शादी करना चाहती हैं.

बॉलीवुड की बेहतरीन अभिनेत्री करीना कपूर खान और बॉलीवुड के सुपरस्टार सैफ अली खान के 4 साल के बेटे तैमूर अली खान दिखने में इतने खूबसूरत है कि बॉलीवुड की अभिनेत्रियां उनके पर शुरू से ही मरती आयी है. इसी खुबसूरती के चलते नोरा फतेही ने भी तैमूर अली खान के साथ शादी रचाने की इच्छा जाहिर की है. आप सभी को यह सुनके मजाक लगेगा कि इतने छोटे बच्चे से नोरा शादी कैसे कर सकती हैं.

दरअसल करीना कपूर खान की शो व्हाइट वूमेन माउंट में एक बार नोरा फतेही गेस्ट के रुप में पहुंची थी. इस शो में करीना कपूर खान ने जब नोरा फतेही से कई सवाल पूछे जिसके उन्होंने शानदार जवाब भी दिए और इसी दौरान नोरा ने करीना के बेटे तैमूर को लेकर कह दिया कि जब तैमूर बड़ा हो जाएगा तो नोरा तैमूर से शादी करना चाहेंगी.

उन्होंने कहा कि मैं यह उम्मीद कर रही हूं कि तैमूर जब बड़ा हो जाएगा तो आप उसकी और मेरी शादी के बारे में सोचेंगी. नोरा की बातें सुनकर करीना चौक उठी और वह हंसने लगी हंसते हुए करीना ने बोला कि फिलहाल मेरा बेटा तैमूर अभी 4 साल का है और वह अभी बहुत छोटा है, मुझे लगता है कि उसे बड़े होने में बहुत लंबा समय लगेगा वही इसके जवाब में फिर से मुस्कुराते हुए नोरा ने कहा ठीक है फिर मैं लंबा इंतजार कर लूंगी.

आपको बता दें कि सैफ अली खान और करीना खान भी नोरा फतेही के डांस के दीवाने हैं. बता दें कि तैमूर शुरू से ही लाइमलाइट में बने हैं और वह पहले ऐसे स्टार किड है जिन्हें बचपन से ही काफी बड़ी फैन फॉलोइंग मिली है. बता दें कि तैमूर भले ही 4 साल के हैं लेकिन फोटोग्राफर के सामने फोटोस लेने और पोज़ देने में तैमूर कोई कसर नहीं छोड़ते है. तैमूर फोटोग्राफर को देखकर कभी भी घबराते नहीं है बल्कि उनके सामने पोज देने लगते हैं.

सिद्धार्थ पी मल्होत्रा की अगली फिल्म में नजर आएंगे आमिर खान

आमिर खान को बॉलीवुड में सुपरस्टार का दर्जा हासिल है। उनकी फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर छप्पर फाड़ कमाई की है। वह काफी समय से लाल सिंह चड्ढा को लेकर दर्शकों की जुबां पर हैं। यह फिल्म जल्द सिनेमाघरों में दस्तक देगी। अब आमिर के फैंस के लिए एक खुशखबरी आई है। सुनने में आ रहा है कि आमिर जाने-माने फिल्ममेकर सिद्धार्थ पी मल्होत्रा की अगली फिल्म में नजर आ सकते हैं।

रिपोर्ट की मानें तो सिद्धार्थ आमिर के साथ एक फिल्म के सिलसिले में बातचीत कर रहे हैं। एक सूत्र ने कहा, सिद्धार्थ वर्तमान में यशराज प्रोडक्शन के महाराजा में आमिर के बेटे जुनैद को निर्देशित कर रहे हैं। इस फिल्म के बनने की प्रक्रिया में फिल्ममेकर ने कई आइडियाज को लेकर आमिर के साथ कई मुलाकातें की हैं। बता दें कि जुनैद महाराजा के साथ बॉलीवुड में अपना डेब्यू करने वाले हैं।

सूत्र ने आगे बताया कि आमिर ने सिद्धार्थ के कई स्क्रिप्ट्स पर विचार करने के बाद उनमें से एक स्क्रिप्ट को पसंद किया है। इसको लेकर सूत्र ने बताया, आमिर ने सिद्धार्थ को अपने लेखकों की टीम के साथ स्क्रिप्ट को फाइनल करने के लिए कहा है। अगर सब कुछ ठीक रहा, तो अगले साल के अंत में इस फिल्म की शूटिंग शुरू हो जाएगी। अब देखना है कि कब इस प्रोजेक्ट का आधिकारिक ऐलान होता है।

सिद्धार्थ पी मल्होत्रा एक प्रोड्यूसर, लेखक और निर्देशक के रूप में जाने जाते हैं। उन्होंने ही रानी मुखर्जी की फिल्म हिचकी का निर्देशन किया था। उनके प्रोडक्शन की फिल्म डायल 100 पिछले साल दर्शकों के बीच आई थी।

आमिर लाल सिंह चड्ढा के प्रमोशन में व्यस्त हैं। इसका ट्रेलर 29 मई को आईपीएल फाइनल के दौरान दर्शकों के बीच आया। आमिर आईपीएल के फाइनल के दौरान कमेंट्री करते हुए नजर आए थे। हाल में उन्होंने अपना पहला पॉडकास्ट लाल सिंह चड्ढा की कहानियां रिलीज किया था। इसके जरिए उन्होंने फिल्म से जुड़े मजेदार किस्से साझा किए। यह फिल्म 11 अगस्त को रिलीज होगी। फिल्म में आमिर के साथ करीना कपूर भी नजर आएंगी।

आमिर को आखिरी बार फिल्म ठग्स ऑफ हिंदोस्तान में लीड रोल में देखा गया था। फिल्म 2018 में सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। बॉक्स ऑफिस पर यह फिल्म औंधे मुंह गिरी थी। अंदाज अपना अपना 2 के साथ भी इस अभिनेता का नाम जुड़ चुका है। स्पेनिश फिल्म चैम्पियंस की हिन्दी रीमेक में भी आमिर नजर आएंगे। वह रणबीर कपूर के साथ भी एक फिल्म में नजर आ सकते हैं। आमिर खुद इस फिल्म का निर्माण करेंगे।

खत्म राजनीति, अराजक अग्निपथ!

हरिशंकर व्यास

भारत राजनीति की बजाय अब अग्निपथ पर है। तभी बिहार में भाजपा कार्यालयों, नेताओं के घरों पर हमलों की घटनाओं की अनदेखी है। सोचे ऐसी घटनाएं पहले कब हुई? क्या कांग्रेस के दफ्तर कभी ऐसे निशाना बने? भाजपा एक राष्ट्रीय पार्टी है। छप्पन इंची छाती वाली पार्टी है। मगर नूपुर शर्मा मामला हो या अग्निपथ आंदोलन या उससे पहले किसान आंदोलन में, क्या भाजपा का वह रोल कही दिखा जिससे उसका राजनैतिक वजूद जाहिर हो। संघ परिवार के पास किसान संगठन से लेकर अल्पसंख्यक संगठन, नौजवान संगठन सब है मगर सब मानों बेजान और बेमतलब। बिहार का मामला इसलिए भी दिलचस्प है क्योंकि वहा भाजपा का सत्ता में साझा है। बावजूद इसके भाजपा पर हो रहे हमलों पर साझेदार पार्टी जदयू के नेताओं में भी न कोई बोला और न किसी की सहानुभूति दिखी! लगा मानों अग्निवीरों के भाजपा पर हमलों से सभी खुश!

पहली बात भला क्यों अग्निवीर नौजवान केंद्र सरकार की योजना पर भाजपा के खिलाफ गुस्सा निकालते हुए? वे भाजपा से गुस्सा है या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर या केंद्र सरकार पर? किससे उनका मोहभंग है। वे किस पर गुस्साएं हुए है?

दूसरी बात भाजपा खुद क्यों नहीं अपने लोगों, अपने कार्यालयों पर हमलों को गंभीरता से लेते हुए है? बिहार में वह भी सरकार है। नीतिश कुमार की सत्ता भाजपा के कारण है। तब कैसे ऐसा कि भाजपा नेताओं को बचाने के लिए न नीतिश कुमार सक्रिय हुए और न भाजपा के केंद्रीय नेताओं ने वैसे तेंवर दिखाए जैसे पश्चिम बंगाल में भाजपा नेताओं की पिटाई के बाद दिखते है। परसों बिहार भाजपा के अध्यक्ष संजय जायसवाल ने जरूर यह कहा कि प्रशासन प्रदर्शनकारियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं कर रहा है। सब कुछ प्रशासन के सामने हो रहा है, लेकिन वह मूकदर्शक है। प्रशासन की मौजूदगी में युवा बीजेपी दफ्तरों को निशाना बना रहे हैं। बीते तीन दिनों में प्रशासन की जो भूमिका रही है वो कहीं से भी स्वीकार्य नहीं है। इस पर जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह ने पलट कर कहा कि भाजपा अपने शासन वाले राज्यों में प्रदर्शनकारियों को गोली से उड़वा दे। बीजेपी को चाहिए था कि वो युवाओं के मन की आशंका को दूर करे। ललन सिंह ने कहा- नीतीश कुमार जी प्रशासन चलाने में सक्षम हैं। और देश में गुड गवर्नेंस का उनको पुरस्कार मिल चुका है। इसलिए संजय जायसवाल जी से शिक्षा लेने की जरूरत नहीं है। उन्होंने जायसवाल के मानसिक संतुलन बिगड़ने की बात भी कही।

जाहिर है बिहार में जो दिखा है वह इस बात का प्रमाण है कि भाजपा अपने आपको कितना ही महाबली माने, उसके सत्ता साझेदारों में भी उसका अर्थ नहीं बचा है! राजनीति के पुराने कायदे खत्म। ध्यान रहे कि केंद्र की सरकार में जदयू भी भागीदार है। सरकार का फैसला पूरे सत्तारूढ गठबंधन का निर्णय है। तब नीतिश कुमार और उनकी सरकार को क्यों नहीं अग्निपथ योजना को लेकर नौजवानों को समझाना था?

लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने क्या जदयू या साथी दलों, साथी मंत्रियों को विश्वास में लेकर घोषणा की? इसलिए जैसे मोदी सरकार के बाकि मामलों में सहयोगी दलों की बेरूखी, नाराजगी रही वैसा ही मामला अग्निपथ का है। नोटबंदी से लेकर अग्निपथ तक का लब्बोलुआब है कि सरकार की तमाम घोषणाएं बिना राजनैतिक इनपुट, सलाह और विश्वास के रही है तो किसानों-मुसलमानों-नौजवानों-जनता के योजना विरोधों-आंदोलनों में भाजपा, उसकी सहयोगी पार्टियों से लेकर पक्ष-विपक्ष सब बेमतलब।

तभी खत्म वह वक्त जब राजनीति थी और पार्टिया, पक्ष-विपक्ष और लोकतंत्र की धुरी थी। पार्टियां ही आंदोलन करती थी तो उनकी सर्वदलीय बैठकों व सियासी समझबूझ से समाधान भी निकलते थे।

अब सबकुछ अग्निपथ से है। आमने-सामने की लड़ाई से है। भारत या तो सत्ता की रेवडियों से या बुलडोजरों से चलता हुआ है। इसलिए न राजनीति की जरूरत है और न पार्टियों की। सबकुछ क्योंकि सत्ता केंद्रीत है तो प्रदेश और केंद्र के हर स्तर पर सत्ता से ही क्षेत्रिय और राष्ट्रीय दलों का अराजनैतिक व्यवहार है। इसलिए यदि बिहार में नीतिश कुमार और पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी की सत्ता है तो इनके आगे भाजपा की नियति दो कौडी की है। पश्चिम बंगाल में भाजपाईयों की खूब ठुकाई है मगर बतौर पार्टी भाजपा में आंदोलन खड़ा करने का दम नहीं है। गैर-भाजपाई हर राज्य याकि केरल, तमिलनाडु, कर्नाटक, आंध्र आदि सभी राज्यों में भाजपा को राष्ट्रीय सत्तारूढ़ पार्टी या विपक्षी दल होने जैसा मान-सम्मान प्राप्त नहीं है। यह गलतफहमी नहीं रखें कि केंद्र में नरेंद्र मोदी की सत्ता के कारण इन राज्यों में भाजपा नेताओं, कार्यकर्ताओं के प्रति कोई सियासी सद्भाव, व्यवहार होता होगा। इसका ताजा प्रमाण बिहार है। भाजपाईयों पर नौजवानों के गुस्से से कोई व्यथित नहीं है।

जाहिर है राजनैतिक संस्कृतिविहीन मौजूदा वक्त अराजकता को धीरे-धीरे न्यौत रहा हौ। राजनीति और राजनैतिक पार्टियों के वजूद का खत्म होना भविष्य में बेलगाम आंदोलनों की गारंटी है। सत्ता के बुलडोजरों से असंतोष, गुस्सा और नफरत पर तात्कालिक नियंत्रण भले हो जाए लेकिन लावा खदबदाता और बढता जाना है। कोई माने या न माने लेकिन बिहार की 16 करोड आबादी के 65 प्रतिशत नौजवानों की बेरोजगारी या पूरे देश के नौजवानों की बेरोजगारी पर अग्निपथ योजना ने जले पर घी का जो भभका बनाया है। यह और भभकते जाना है क्योंकि समाधान होना नहीं है। तो कितने ही प्रपंच और भटकाने वाली बाते हो अतंत: जब नौजवान गुस्सा देशव्यापी कभी फूटेगा तो सत्ता के सभी बुलडोजर भाग खड़े होने है।

और सर्वाधिक गाज भाजपा और संघ परिवार पर गिरेगी।भक्त हिंदू वोटों से नरेंद्र मोदी के बनाए जा रहे बुलडोजरों के मालिकाना अधिकार में कोई स्थायित्व नहीं है। हाल के बंगाल और बिहार के अनुभव में भाजपाईयों पर लोगों का जैसा गुस्सा फूटा है उसमें साजिश, नीतिश-ममता की मंशा पर चाहे जो सोचे बुनियादी बात है कि लोग खूंखार हमलावर हो रहे है। भाजपा और संघ परिवार को जिम्मेवार मान रहे है। जनता दल यू और नीतिश कुमार तथा इससे पहले शिव सेना से भी भाजपाईयों को समझ आना चाहिए कि मन ही मन उन सबमें संघ परिवार के खिलाफ नफरत गहरी पैठती हुई है जो भक्त श्रेणी के नहीं है। भारत की नई-पुरानी सभी राजनैतिक पार्टियों, जमातों और अल्पंख्यकों, वर्ग-वर्ण के वंचित समूह अभी भले हिंदू राजनीति की काट निकालने में फेल होते हुए है लेकिन हताशा और नफरत में जब भी कोई मनमाफिक चिंगारी बनी तो ये भी वैसे ही अग्निवीर होंगे जैसे अभी बिहार में है।

राजनीति का खत्म होना बहुत घातक है। पार्टियों का मरना और सत्ता के आगे समर्पण होना विकल्पों का खत्म होना होता है। राजनीति संभावनाओं का खेल है तो विरोध, नफरत, गुस्से और आंदोलन आदि सभी तरह की चुनौतियों को वे अपने में समेट सकती है। सोचे, यदि भाजपा-जदयू पहले की तरह ही सच्चे मन के, सियासी उर्जाओं में साझेदार होते तो बिहार में क्या आंदोलनकारियों के आगे जदयू और भाजपा वैसे अलग-अलग तथा अप्रभावी दिखाई देते जैसे चार दिनों से दिख रहे है? सत्ता के बावजूद वहां क्या है भाजपा की राजनीति? मीडिया के प्रायोजित नैरेटिव और बयानबाजी से राजनीति नहीं होती! भारत में आज कितने राजनीतिबाज आंदोलनों के बीच राजनीति करने की हिम्मत लिए हुए है? या इतना भी कहने की हिम्मत रखते है कि किसी राजनैतिक दल के दफ्तरों और नेताओं के घर उपद्रवियों का उपद्रव ठिक बात नहीं है? क्या ऐसी भर्त्सना कहीं सुनाई दी?

सू- दोकू क्र.78

	1			4			7	
		6	9		2			1
	7			6		8		2
1							8	
	8			5		2		3
3		2			4		1	
	3		2			4		
		8		1	6			7
9			4				2	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र 77 का हल

3	9	6	8	2	5	4	7	1
8	2	5	1	7	4	6	3	9
7	1	4	6	9	3	8	2	5
1	8	9	3	6	7	2	5	4
2	6	7	5	4	8	1	9	3
5	4	3	9	1	2	7	8	6
6	7	2	4	3	9	5	1	8
9	5	1	7	8	6	3	4	2
4	3	8	2	5	1	9	6	7

अध्यात्म की ओर से स्वप्रबंधन तक राजयोगिनी उषा!

डॉ श्रीगोपाल नारसन एडवोकेट

राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी उषा आध्यात्मिक जगत का एक ऐसा नाम है, जो रामायण, श्रीमदभागवत गीता,बाइबिल, कुरान ,गुरुग्रंथ साहिब के अध्ययन वेत्ताओं में सबसे पहले आता है। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय की वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका बीके उषा की आध्यात्मिक कक्षाओं में शामिल होने के लिए जिज्ञासु लालायित रहते है।प्राय: डेढ़ घण्टे का जब उनका व्याख्यान होता है तो सभी शांतचित्त होकर न सिर्फ सुनते है,बल्कि आत्मसात भी करते है।ब्रह्माकुमारीज मुख्यालय माउंट आबू में हाल ही में हुए अखिल भारतीय संत सम्मेलन में देशभर से आए विभिन्न मठो,अखाड़ो,आश्रमो के संत राजयोगिनी उषा के परमात्मा विषयक यथार्थवादी तर्कसंगत उदबोधन को सुनकर उनके सामने नतमस्तक हो गए,यही सम्मेलन की सफलता भी कही जा सकती है।राजयोगिनी उषा जिन्हें ब्रह्माकुमारीज संस्था से जुड़ी विदुषी मां के माध्यम से बचपन मे ही स्वयं का व परमात्मा का ज्ञान हो गया था,ने अपने राजयोग अभ्यास द्वारा ईश्वरीय याद में रहकर प्रसिद्धि की ऊंचाइयों को छुआ।बिहार विधानसभा में उनके द्वारा कराए गए राजयोग से विधानसभा अध्यक्ष व सभी विधायक इतने प्रभावित हुए की,उन्होंने माउंट आबू जाकर आवासीय राजयोग प्रशिक्षण प्राप्त करने की इच्छा व्यक्त की,साथ ही बीके उषा का सम्मान भी किया।ब्रह्माकुमारी उषा द्वारा पिछले कई दशकों से हिंदी भाषा को आधार बनाकर दिए जा रहे रूहानी व आध्यात्मिक ज्ञान के साथ ही उनके द्वारा अध्यात्म की ओर ...व स्वप्रबधन पुस्तक लेखन तथा उनके द्वारा राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर की जा रही हिंदी सेवा के तहत ब्रह्माकुमारी उषा को विक्रमशिला हिंदी विद्यापीठ भागलपुर(बिहार) ने विद्या वाचस्पति मानद सम्मान से विभूषित किया है।इस सम्मान प्राप्ति के अवसर पर उपस्थित रहे ब्रह्माकुमारीज संस्था के अतिरिक्त महासचिव बीके ब्रजमोहन भाई,कार्यकारी सचिव बीके मृतुन्जय भाई व धर्म प्रभाग प्रमुख बीके मनोरमा ने बीके उषा को इस सम्मान के योग्य बताया और कहा कि इससे उन्हें जीवन मे एक नए सुख की अनुभूति होगी,जो ईश्वरीय सेवा के लिए कारगर सिद्ध होगी।ब्रह्माकुमारी उषा यूं तो दक्षिण अफ्रीका में जन्मी है और वही उन्हें ब्रह्माकुमारीज के माध्यम से ईश्वरीय ज्ञान प्राप्त हुआ।लेकिन ईश्वरीय सेवा में समर्पित होने के लिए उन्हें मां ने ही प्रेरित किया।दक्षिण अफ्रीका में पिताजी के डियूटी पर चले जाने पर घर मे अकेली मां श्रीमदभागवत गीता पद्धति रहती थी,जिसका लाभ उषा को अभिमन्यु की तरह हुआ और उनमें सुसंस्कार समाहित हो गए।जिस समय उषा का परिवार भारत वापिस आया,उस समय उषा की आयु मात्र 12 वर्ष की थी,फिर पढ़ाई के लिए हॉस्टल भी रही।लेकिन ईश्वरीय संस्कार उनके साथ साथ चलते रहे।

सेंसर बोर्ड ने अरुण विजय स्टारर यानाई को यू/ए सर्टिफिकेट के साथ रिलीज करने की दी मंजूरी

सेंसर बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन ने निर्देशक हरि की तमिल एक्शन एंटरटेनर यानाई की रिलीज को मंजूरी दे दी है। इस फिल्म में अरुण विजय और प्रिया भवानी शंकर मुख्य भूमिका में हैं। इस फिल्म को मंजरी एक स्वच्छ यू/ए प्रमाण पत्र के साथ मिली है। फिल्म की इकाई ने एक पोस्टर जारी करने का विकल्प चुनकर इस खबर की पुष्टि की है, कि फिल्म को सेंसर कर दिया गया था और इसे यू/ए प्रमाणपत्र दिया गया है। मास एंटरटेनर, जो मूल रूप से इस साल 6 मई को रिलीज होने वाली थी, लेकिन अब जुलाई तक के लिए टाल दी गई है। अभिनेता अरुण विजय ने कहा था कि, यूनिट ने निर्देशक लोकेश कनकराज की एक्शन ब्लॉकबस्टर विक्रम के सिनेमाघरों में मजबूत प्रदर्शन की सुविधा के लिए फिल्म की रिलीज को जुलाई तक के लिए स्थगित करने का फैसला किया था। फिल्म के सैटेलाइट और डिजिटल राइट्स जी ग्रुप ने पहले ही खरीद लिए हैं। ड्रमस्टिक प्रोडक्शंस द्वारा निर्मित, फिल्म मुख्य रूप से बी और सी सेंटर ऑडियन्स पर लक्षित है। फिल्म ने उम्मीदें बढ़ा दी हैं क्योंकि यह पहली ग्रामीण स्क्रिप्ट है जिसे अरुण विजय लगभग 12 साल के अंतराल के बाद कर रहे हैं।

पिता का दोस्त बन ठगे 40 हजार रुपये

देहरादून (सं)। पिता का दोस्त बन गूगल पर पैसे डालने के नाम पर 40 हजार रूपये ठग लिये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार कैनाल रोड जाखन निवासी नेहा व्यास ने राजपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसका एसबीआई जाखन खाता है 7 मई को उसके फोन पर अज्ञात व्यक्ति का मोबाईल पर फोन आया, उसने उसको कहा कि वह उसके पिताजी का दोस्त बोल रहा है कि वह उसको पैसे भेज रहा है उसके पिताजी ने नम्बर दिया है। वह अपने गूगल पे पर देखो कि पैसा आया या नही। उसने उसको कहा कि अगर नही आया तो वह ट्रान्जेक्शन आईडी खोले और उस पर रिसीव करो, उसने जैसे ही नम्बर पर दबाया और पासवर्ड डाला तो सीधा उसके खाते से दो बार 20-20 हजार रूपये कुल रकम 40 हजार रुपये निकल गए। उसके बाद उसने अपने पिता को फोन किया और घटना की जानकारी दी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

बुलेरो की टक्कर से लोडर चालक घायल

देहरादून (सं)। बुलेरो कार की टक्कर से लोडर चालक गम्भीर रूप से घायल हो गया जिसको स्थानीय चिकित्सालय में भर्ती कराया गया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार टपकेश्वर रोड कौलागढ निवासी अशोक कुमार ने कैण्ट कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसका बडा भाई होरी लाल पुत्र बहादुर शंकर निवासी 319 टपकेश्वर रोड कौलागढ प्रात: ढाई बजे अपने वाहन छोटा हाथी से सब्जी मण्डी जा रहा था कि अचानक गलत दिशा से आ रही बुंलेरो कार बल्लूपुर चौक से गढी कैण्ट की तरफ अत्यधिक गति तेज व लापरवाही से आ रही गाडी ने उसके भाई होरी लाल की गाडी को गायत्री पीठ मन्दिर के सामने टक्कर मार दी एक्सीडेन्ट इतना भारी था कि जो उसके भाई होरी लाल गाडी चला रहा था वह ड्राईवर सीट पर फंस गया जिसका गाडी से सुरक्षित निकालने में दो घन्टे लगे। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

तीन दिन से लापता युवक का शव पेड से लटका मिला

संवाददाता

देहरादून। तीन दिन से लापता युवक का शव जंगल में पेड से लटका मिला। पुलिस ने शव को कब्जे मे लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार आज कालसी पुलिस को फोन सूचना मिली की व्यास भूड़ के पास जंगल में एक पेड़ के ऊपर फंदा लगाकर एक व्यक्ति लटका है जिस पर आवश्यक कार्यवाही पुलिस टीम रवाना की गई। पुलिस टीम द्वारा मौके पर जाकर देखा तो एक लड़का जिसका नाम राहुल है पेड़ पर रस्सी से लटका हुआ है देखने में 2 दिन पुराना शव लग रहा है। मौके पर मौजूद उसके परिजनों की सहायता से मृतक के शव को नीचे उतारा गया और पंचायत नामा की कार्यवाही कर पोस्टमार्टम हेतु मोर्चरी विकास नगर भेजा गया है। परिजनों से जानकारी मिली कि यह 3 दिन से लापता है, कल ही इसके गुम होने की सूचना थाना कालसी पर दी गई थी जिस के संबंध में थाना कालसी पर गुमशुदगी दर्ज है मृत्यु के कारणों का कोई सुराग नहीं लगा है आसपास की तलाशी पर तथा उसके कपड़ों की तलाशी पर भी कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है और न ही कोई अन्य तथ्य प्राप्त हुए है। मृतक दिहाड़ी मजदूरी का काम करता था घर में भी किसी से कोई झगड़ा इत्यादि नहीं हुआ है।

सी ग्रेड सेब का न्यूनतम समर्थन मूल्य 11 रुपये प्रति किग्रा घोषित

चमोली। राज्य सरकार ने वर्ष २०२२ हेतु सी ग्रेड सेब का न्यूनतम समर्थन मूल्य ११ रूपये प्रति किग्रा घोषित किया है। जानकारी देते हुए मुख्य उद्यान अधिकारी तेजपाल सिंह ने बताया कि उद्यान विभाग द्वारा नाशपाती का क्रय १५ अगस्त से ३१ अक्टूबर तक किया जाएगा।

क्रय किए जाने वाले नाशपाती का न्यूनतम व्यास ५० मिमी. से कम नहीं होना चाहिए और फल सडे, गले तथा कटे नहीं होने चाहिए। फलों की तुडाई उपरान्त फलों के वाष्पीकरण से वजन में होने वाली कमी को ध्यान में रखते हुए क्रय के समय तौल में २.५० प्रतिशत अधिक वजन लिया जाएगा। यह योजना केवल कृषको के लिये होगी ठेकेदार व बिचौलिये इस योजना में आच्छादित नहीं होंगे। उन्होंने बताया कि जिले में हेलंग, जोशीमठ, तपोवन, मलारी तथा घेस में संग्रह/क्रय केन्द्र बनाये गये हैं।

लघु व्यापारियों को लाईसेंस व परिचय पत्र देने की प्रक्रिया का शुभारम्भ

नगर संवाददाता

हरिद्वार। रेड़ी पटरी के लघु व्यापारियों को केंद्र व राज्य सरकार के निर्देश क्रम में प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर्स आत्मनिर्भर योजना, राष्ट्रीय आजीविका मिशन, उत्तराखंड नगरीय फेरी नीति नियमावली को क्रियान्वित करते हुए पूर्व की नगरीय फेरी समिति के निर्णय के अनुसार नगरीय फेरी समिति के प्रभारी अधिकारी सहायक नगर आयुक्त श्याम सुंदर प्रसाद द्वारा रेड़ी पटरी के लघु व्यापारियों को नगर निगम प्रशासन की और से दिए जाने वाले चलती- फिरती रेडी के लाइसेंस व परिचय पत्र लघु व्यापार एसो. के प्रांतीय अध्यक्ष संजय चोपड़ा के सहयोग से पूर्व के निधारित निर्णय के अनुसार कारोबारी रेडी पटरी के लघु व्यापारियों के प्रथम दिन के आवेदन लाइसेंस दिए जाने के लिए नाम लिए गए। प्रथम चरण में नगर निगम प्रशासन द्वारा चिन्हित सभी 15 वेंडिंग जोन के स्थानीय कारोबारी रेडी पटरी के लघु व्यापारियों को दो श्रेणी में लगभग 1500 लाइसेंस दिए जाने के साथ परिचय पत्र निर्गत कराने की प्रक्रिया का नगर निगम प्रशासन द्वारा शुभारंभ किया गया।

इस अवसर पर सहायक नगर आयुक्त श्याम सुंदर प्रसाद ने कहा शासन के निर्देश क्रम में उत्तराखंड नगरीय फेरी नीति नियमावली के नियम अनुसार टाउन वेंडिंग कमेटी के निर्णय के अनुपालन के दृष्टिगत वर्ष 2018 के पंजीकृत सभी रेडी पटरी के (स्ट्रीट वेंडर्स) लघु व्यापारियों को कारोबारी अनुमति के साथ लाइसेंस प्रक्रिया से जोड़ा जा रहा है ताकि नगर निगम की आय वृद्धि के साथ धर्मनगरी हरिद्वार में राज्य सरकार का संरक्षण प्राप्त कर रेडी पटरी का लघु व्यापारी आत्मनिर्भर होकर स्वरोजगार कर सके।

इस अवसर पर लघु व्यापार एसो. के प्रांतीय अध्यक्ष संजय चोपड़ा ने कहा उत्तराखंड नगरीय फेरी नीति नियमावली के नियम अनुसार दो श्रेणी में प्रथम श्रेणी में चलती- फिरती ठेली का लाइसेंस व परिचय पत्र नगर निगम प्रशासन की और से दिया जाना, दूसरी श्रेणी में विकसित किए गए वेंडिंग जोन के लाभार्थियों को लाइसेंस प्रक्रिया के साथ बिक्री प्रमाण पत्र निर्गत कराना है। उन्होंने कहा यदि नगर निगम प्रशासन द्वारा इसी प्रकार से नगरीय फेरी नीति नियमावली को क्रियान्वित किया जाता रहेगा तो आने वाले समय में धर्मनगरी हरिद्वार के स्ट्रीट वेंडर्स को साथ लेकर शहर का सौन्दर्यकरण विकसित किया जा सकेगा।

इस मौके पर उपस्थित अधिकारियों में कर अधीक्षक सुनीता सक्सेना, लिपिक वेदपाल सिंह, सिटी मेंशन मैनेजर अंकित सिंह रमोला, अन्य कर्मचारी के साथ सहयोगी लघु व्यापारियों में प्रदेश महासचिव मनोज कुमार मंडल, जिला अध्यक्ष राजेंद्र पाल, दिलीप कुमार गुप्ता, लालचंद, अनिल सैनी, तरक राय, सुबोध गुप्ता, राजकुमार, महेंद्र सैनी, भोला यादव आदि प्रमुख रूप से शामिल रहे।

कार की चपेट में आकर वनकर्मी घायल

संवाददाता

देहरादून। कार की चपेट में आकर वन कर्मी गम्भीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार शिवाजी एन्कलैव जैन प्लाट रायपुर निवासी मोहनलाल ने डोईवाला कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह अपने मूल स्थान ग्राम सिरौसार कुमजुग विकास खंड घाट नन्दानगर जनपद चमोली छुट्टी पर गया हुआ था 2 जने को उसको सूचना मिली कि उसका पुत्र गौरव कुमार जो कि उपनल के तहत: वन विभाग लच्छीवाला में कार्यरत है। उसका लच्छीवाला वन विभाग सीमा के अंतर्गत एक छोटी गाड़ी चार पहिया के द्वारा उसके ऊपर गाड़ी चढ़ाई गयी और उसका एक्सीडेंट हो गया है तथा वह हिमालयन अस्पताल जौलीग्रांट में एडमिट हो गया है।

वह जब रात में घर से हिमालयन अस्पताल जौलीग्रांट पहुंचा तो उसका लड़का गौरव कुमार अस्पताल में आईसीयू में भर्ती है और गंभीर स्थिति में है। अस्पताल में उसके साथ वन विभाग लच्छीवाला के तीन -चार कर्मचारी भी उसके साथ मैजूद थे उनसे उसने पता किया तो उन्होंने उसको बताया कि गाड़ी आई-10 की लापरवाही से नशे की हालत में था तथा दायी ओर उसका लड़का खड़ा था तथा उसके ऊपर गाड़ी चढ़ गई वन विभाग के कर्मचारियों द्वारा गाड़ी उठा कर उसके लड़के को बाहर निकाला और अस्पताल पहुंचाया गाड़ी ड्राइवर का नाम इनाम मलिक पुत्र मांगाखान निवासी चन्द्रेश्वर नगर ऋषिकेश है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

सुनार की दुकान से लूट करने वाले दो गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने सुनार की दुकान से अंगूठियां लूटकर भागे दो बदमाशो को गिरफ्तार कर लूट की तीन अंगूठी व घटना प्रयुक्त बाईक बरामद कर ली। पुलिस ने दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार 21 जून की दोपहर हिमानी ज्वेलर्स निकट बाटा शोरूम हरिद्वार रोड धर्मपुर में एक व्यक्ति अंगूठी लेने आया व मोल भाव के बहाने मौका पाकर पूरा 12 सोने की अंगूठी का ट्रे लेकर फरार हो गया तथा थोड़ी दूरी पर इंतजार कर रहे व्यक्ति के साथ मोटरसाइकिल से फरार हो गया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। गठित टीम द्वारा घटनास्थल के आस-पास के सीसीटीवी कैमरों का गहनता से अवलोकन व विश्लेषण किया गया तो घटना के समय एक संदिग्ध हीरो होंडा सीडी डिलक्स में दो संदिग्ध आते जाते दिखायी दिए किंतु उक्त वाहन की आगे व पीछे की नंबर प्लेट पर टेप लगा होने के कारण पूरा नंबर ट्रेस नहीं हो पाया। पुलिस टीम ने आज हरिद्वार से मोटरसाईकिल सहित दोनों बदमाशों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से तीन अंगूठी बरामद कर ली। पूछताछ में उन्होंने अपने नाम हेमंत पुत्र हुकुमचंद निवासी पहाड़ी धीरज सदर बाजार दिल्ली, यश वर्मा पुत्र किशोर वर्मा निवासी महालक्ष्मी गार्डन निकट सर्वोदय स्कूल गुड़गांव हरियाणा बताया। बदमाशों ने छह अंगूठी आईसीआईसीआईसी गोल्ड लोन में 55 हजार रूपये में गिरवी रखी है। पुलिस ने दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

कोरोना से डरे नहीं
सतर्क रहें, सुरक्षित रहें

एक नजर

सुकमा जिले में पुलिस के साथ मुठभेड़ में पांच लाख रु. का इनामी नक्सली ढेर

नई दिल्ली। छत्तीसगढ़ पुलिस ने शुक्रवार को बस्तर के सुकमा जिले में एक मुठभेड़ में पांच लाख रुपये का इनामी माओवादी मार गिराया। पुलिस ने बताया कि माओवादी कमलेश भाकपा (माओवादी) के दरभा डिवीजन की मालेंजर एरिया कमेटी का सदस्य था। अधिकारियों ने कहा कि जंगल के

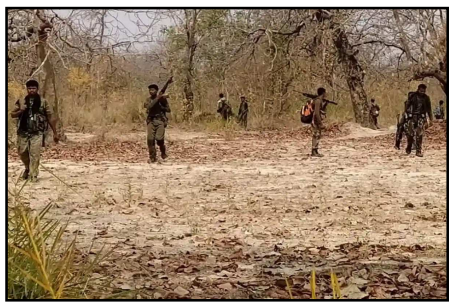

अंदर तलाशी अभियान अभी भी जारी है। बस्तर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक सुंदरराज पी. ने कहा, श्श्गादिरस थाना क्षेत्र के बोरापारा जंगल के पास शुक्रवार को सुबह करीब १० बजे माओवादियों और जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी) के जवानों के बीच गोलीबारी हुई। पुलिस ने कहा कि मुठभेड़ कुछ मिनटों तक चली। आईजी ने कहा, मुठभेड़ खत्म होने के बाद, हमने मौके से एक पुरुष माओवादी का शव बरामद किया। मृतक माओवादी की पहचान शुरू में कमलेश, मालेंजर क्षेत्र समिति के सदस्य के रूप में हुई थी। गुरुवार को पड़ोसी दंतेवाड़ा पुलिस ने भाकपा (माओवादी) के कटेकल्याण क्षेत्र समिति के सदस्य डेंगा देवा उर्फ महंगु देवा को मार गिराया। देवा के खिलाफ माओवादी हिंसा के करीब १८ मामले दर्ज किए गए थे।

198 रुपए सस्ता हुआ एलपीजी सिलेंडर !

नई दिल्ली। रसोई गैस सिलेंडर की कीमतों में आज से (१ जुलाई) कमी की गई है। राष्ट्रीय राजधानी में १ जुलाई से कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर (१६ किलो) की कीमतों में १६८ रुपए की कमी आई है। १६ किलो के कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमत अब २,०२१ रुपए होगी जो पहले यह २,२१६ रुपए थी। कोलकाता

में रसोई गैस सिलेंडर की कीमतों में १८२ रुपये कमी हुई है तो वहीं मुबई में १६०.५० रुपये, जबकि चेन्नई में १८७ रुपये कमी की गई है। उधर घरेलू एलपीजी सिलेंडर उपभोक्ताओं को पुराने रेट पर ही गैस मिलेगी। १४.२ किलो वाले घरेलू सिलेंडर न सस्ता हुआ है और न ही महंगा। गौरतलब है कि एक महीने पहले कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर १३५ रुपये सस्ता हुआ था। एक महीने बाद इसमे फिर से १६८ रुपए की कटौती की गई है। इस तरह महीनेभर में कुल प्रति सिलेंडर ३०० रुपये से भी ज्यादा की कटौती की गई है। कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमतें मई में बढ़कर २३५४ रुपये पर पहुंच गए थे। घरेलू गैस सघ्लिेंडर की कीमत में आखिरी बार १६ मई को बदलाव कघ्या गया था।

देशभर में आज से सिंगल-यूज प्लास्टिक पर बैन

नई दिल्ली । देशभर में आज से सिंगल यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगा दिया गया। रोक के बावजूद प्लास्टिक कर इस्तेमाल करते पकड़ जाने पर सख्त कार्रवाई होगी। सरकार के इस फैसले के बाद रोजमर्रा में इस्तेमाल होने वाली प्लास्टिक से बनी कई चीज़ों को आप बाज़ारों में नहीं देख पाएंगे। सरकार ने केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के साथ मिलकर सिंगल

यूज प्लास्टिक के खिलाफ कानून बनाया है। सिंगल यूज प्लास्टिक यानी प्लास्टिक से बानी वो चीज़े जिसका हम सिर्फ एक बार इस्तेमाल करते हैं। सीपीसीबी ने इसके लिए कई सारे उपायों को अपनाया है। प्रदूषण बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि ०१ जुलाई से यदि सिंगल यूज प्लास्टिक की बिक्री देखी गई, तो सख्त कार्रवाई की जाएगी। इसके तहत सिंगल यूज प्लास्टिक आइटम के उत्पादन, आयात, संग्रह, वितरण बिक्री और इस्तेमाल पर पाबंदी लगाई गई है। सिंगल यूज प्लास्टिक का मतलब उन उत्पादों से है, जिसे एक बार ही इस्तेमाल किया जा सकता है। यह आसानी से डिस्पोज नहीं होता। सिंगल यूज वाले प्लास्टिक में पैकेजिंग से लेकर बोतलें, पॉलिथीन बैग, फेस मास्क, कॉफी कप, किलंग फिल्म, कचरा बैग और फूड पैकेजिंग जैसी चीजें आती हैं।

नहीं रहे पत्रकार, साहित्यकार व फिल्मकार डॉ. आर.के. वर्मा

विशेष संवाददाता

देहरादून। एक बहुआयामी प्रतिभा के धनी और अद्भुत व्यक्तित्व के स्वामी डा. आर.के. वर्मा अब हमारे बीच नहीं रहे। 83 वर्षीय डा. आरके वर्मा ने आज लंबी बीमारी के बाद अपने गांधी रोड स्थित आवास पर अंतिम सांस ली। देश और समाज सेवा में जीवन समर्पित करने वाले डा. आर.के.वर्मा अपने पीछे जो शुन्य छोड़ गए हैं उसे भरा जाना संभव नहीं है। उनके निधन से पत्रकार व साहित्यकार तथा फिल्म जगत में शोक की लहर है।

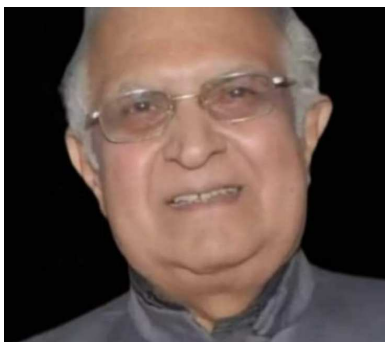

डा. आर.के. वर्मा का जन्म 20 जुलाई 1939 को उस दौर में हुआ था जब समूचा विश्व द्वितीय विश्वयुद्ध की ज्वाला में धधक रहा था और भारत ब्रिटिश हुकूमत की जंजीरों को तोड़कर फेंकने के लिए छटपटा रहा था। सर्वे भवन्तु सुखिना के दर्शन में विश्वास रखने वाले डा. आर.के. वर्मा ने अपने जीवन में कभी किसी गलत फैसले का समर्थन नहीं किया, यही कारण था कि उन्होंने इमरजेंसी का विरोध पुरजोर तरीके से किया और जेल जाने से भी नहीं डरें। पत्रकारिता और साहित्य को उन्होंने जनसेवा का बेहतर तरीका माना और पत्रकारिता, साहित्य तथा फिल्मकार के रूप में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई उनकी प्रमुख कृतियों में उत्तराखंड के स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, दून के स्वतंत्रता संग्राम का इतिहास। फिल्मोग्राफी, नेताजी सुभाष चंद्र बोस की आजाद हिंद फौज, मैजिक व मिस्ट्री, भूले बिसरे गीत और भूले बिसरे चेहरे तथा राजनीति के चुटकुले आदि प्रमुख पुस्तकें उन्होंने लिखी।

डा. आर.के. वर्मा दैनिक नवजीवन, फिल्म फेडरेशन ऑफ इंडिया से भी जुड़े रहे। 4 सितंबर 1979 को देवानंद द्वारा बनाई गई राजनीतिक पार्टी एनपीआई के भी वह सदस्य रहे। डा. आर.के.वर्मा को उत्तराखंड में सहकारिता आंदोलन का जनक माना जाता है। उन्होंने नागरिक परिषद की स्थापना की जो उत्तराखंड की प्रतिभाओं को उत्तराखंड और दून रत्न पुरस्कार से सम्मानित करती आई है। जिसने काबीना मंत्री सतपाल महाराज से लेकर पूर्व सीएम नित्यानंद स्वामी सहित अनेक विभूतियों को दून रत्न सम्मान से नवाजा है। उत्तराखंड में उन्होंने ही सबसे पहले जर्नलिस्ट क्लब उत्तराखंड का गठन किया था। डा. आर.के. वर्मा का कृतित्व और व्यक्तित्व इतना वृहद था कि उसके बारे में लिखना या कुछ कह पाना संभव नहीं है।

वह अपने पीछे भरा पूरा परिवार छोड़ गए हैं उनका निधन एक अपूर्व क्षति है उनका अंतिम संस्कार आज शाम तीन-चार बजे के बीच लख्खी बाग श्मशान घाट में किया जाएगा हमारी ईश्वर से प्रार्थना है कि वह उन्हें अपने श्रीचरणों में स्थान दे तथा परिजनों को इस दुख को सहने की क्षमता प्रदान करें।

कथित पत्रकारों ने मांगी डाक्टर से 50 हजार की रंगदारी, मुकदमा दर्ज

हमारे संवाददाता

उधमसिंहनगर। डॉक्टर से 50 हजार रंगदारी मांगना और धमकाना कुछ तथाकथित पत्रकारों को भारी पड़ गया। डाक्टर की शिकायत पर पुलिस ने तीन कथित पत्रकारों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गयी है।

जानकारी के अनुसार मुरादाबाद रोड स्थित एक अस्पताल के संचालक डॉ. रजनीश शर्मा ने पुलिस को दी तहरीर देकर बताया गया कि बीती 10 जून को मो. अरिफ खान, अजहर मलिक और योगेश शैली उनके पास आए, बताया कि इन कथित पत्रकारों ने कहा कि हमारे पास आपके अस्पताल से संबंधित कुछ वीडियो हैं। उन्होंने वीडियो छिपाने के लिए 50 हजार की रंगदारी मांगी साथ ही धमकी दी कि अगर रंगदारी की रकम नहीं दी तो हम अस्पताल की खबर न्यूज चैनलों पर वायरल कर अस्पताल को बदनाम कर देंगे। डॉ. रजनीश ने बताया कि उन्होने रुपये न देने पर अपशब्दों का प्रयोग कर परिणाम भुगतने की धमकी दी। बताया कि वह रिपोर्ट दर्ज कराते इससे पहले ही पत्रकार आरिफ की रंगदारी के किसी दूसरे मामले में गिरफ्तारी हो गई। लगभग 10-12 दिन पहले वह अपने कर्मचारी इकबाल के साथ मोटरसाइकिल पर बाजार जा रहे थे। रास्ते में योगेश और अजहर मिले और उन्होंने फिर से 50 हजार महीना रंगदारी की मांग करते हुए जान से मारने की धमकी दी है। पुलिस के अनुसार कथित पत्रकार मो. आरिफ, योगेश शैली व अजहर के खिलाफ रंगदारी और धमकाने के आरोप में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

सड़क दुर्घटना में एक की मौत, एक घायल

हमारे संवाददाता

देहरादून। सड़क दुर्घटना में कल देर शाम एक तेज रफ्तार कार के सड़क किनारे लगे पेड़ से टकराने से दो लोग घायल हो गये। जिन्हे अस्पताल पहुंचाया गया। जहां उपचार के दौरान एक की मौत हो गयी वहीं दूसरे को उपचार के बाद छुट्टी दे दी गयी है।

बताया जा रहा कि दोनों दुर्घटनाग्रस्त कार सवार युवक भाऊवाला में अपने किसी परिचित के यहां गए हुए थे और वापस आते समय उनका वाहन अनियंत्रित होकर सड़क के किनारे लगे हुए एक पेड़ से टकरा गयी जिससे दोनों लोग घायल हो गये।

हादसे की सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंच कर कार में घायल पड़े लोगों को बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया। जहां उपचार के दौरान एक की मौत हो गयी वहीं दूसरे को उपचार के बाद छुट्टी दे दी गयी है। मृतक की पहचान प्रत्यूश बिष्ट पुत्र प्रदीप बिष्ट निवासी सुभारती अस्पताल के पास झाझरा देहरादून के रूप में की गयी जबकि घायल का नाम आदित्य कुमार पुत्र अनिल कुमार निवासी सुद्धोवाला देहरादून बताया गया है। बहरहाल पुलिस ने मृतक का शव कब्जे में लेकर अग्रिम कार्यवाही शुरू कर दी गयी है।

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा नाम नीतेश शाही पुत्र लाल बहादुर शाही है जो त्रुटिवश मेरे ड्राईविंग लाईसेंस में मेरे पिता का नाम गणेश बहादुर अंकित हो गया है जो कि गलत है। मेरे पिता का सही नाम लाल बहादुर शाही है। अत: मेरे पिता का नाम मेरे ड्राईविंग लाईसेंस में लाल बहादुर शाही अंकित किया जाना न्यायहित में आवश्यक है।

नीतेश शाही
पुत्र लाल बहादुर शाही
निवासी-553-बी, टपकेश्वर
रोड गढ़ी कैंट, देहरादून।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।